राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 13, अंक 254 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शुक्रवार 05 जुलाई 2024 www.samaydarshan.in

सार समाचार

मर्डर केस के आरोपी एक्टर दर्शन को राहत नहीं, कोर्ट ने 18 जुलाई तक बढ़ाई कस्टडी

नई दिल्ली। मर्डर केस के आरोपी कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीपा, उनकी मित्र पवित्रा गौड़ा और अन्य की न्यायिक हिरासत बंगलूरू कोर्ट ने बढ़ा दी है। बंगलूरू कोर्ट ने आज गुरुवार को अभिनेता सहित अन्य आरोपियों की कस्टडी 18 जुलाई तक बढ़ाई है। दर्शन रेणुकास्वामी हत्या मामले में आरोपी हैं।

मर्डर केस में दर्शन और पवित्रा सहित सभी 17 आरोपियों की न्यायिक हिरासत आज समाप्त होने के बाद सभी को बंगलूरू और तुमकुरु जेलों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जहां वे बंद हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अभिनेता के प्रशंसक 33 वर्षीय रेणुकास्वामी ने पवित्रा गौड़ा को अश्लील संदेश भेजे थे, जिससे दर्शन नाराज हो गए और कथित तौर पर उसकी हत्या कर दी गई। उसका शव 9 जून को सुमनहल्ली में एक अपार्टमेंट के बगल में एक स्टॉर्मवॉटर नाले के पास मिला था।

चित्रदुर्ग में दर्शन के फैन क्लब का हिस्सा रहे आरोपियों में से एक राघवेंद्र ने रेणुकास्वामी को आर आर नगर में एक शेड में बहाने से बुलाया था। आरोपी ने बहाना किया था कि अभिनेता दर्शन उससे मिलना चाहते हैं और इसी शेड में उसे कथित तौर पर प्रताड़ित किया गया। इसके बाद उसकी हत्या कर दी गई।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, चित्रदुर्ग निवासी रेणुकास्वामी की मौत कई चोटों के कारण सदमे और रक्तस्राव के कारण हुई। पुलिस सूत्रों का कहना है कि आरोपी नंबर एक पवित्रा गौड़ा रेणुकास्वामी की हत्या के लिए 'मुख्य कारण' थीं। यह भी दावा है कि जांच में साबित हो गया है कि उसने अन्य आरोपियों को उकसाया, उनके साथ साजिश रची और अपराध में भाग लिया।

टीम इंडिया की विक्ट्री परेड

तिरंगे और ट्रॉफी के साथ विजय रथ पर सवार हुए खिलाड़ी

मरीन ड्राइव पर 3 लाख से ज्यादा फैंस हुए शामिल

नई दिल्ली/मुंबई (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड चैंपियन टीम इंडिया का विजय जुलूस निकाला गया। मुंबई के नरीमन पॉइंट पर भारतीय टीम के खिलाड़ी विजय रथ (ओपन रूफ बस में) पर तिरंगे और ट्रॉफी के साथ सवार हुए । विजय रथ यहां से 2.2 किमी दूर स्थित वानखेड़े स्टेडियम तक गया। इसके बाद स्टेडियम में सम्मान समारोह में उन्हें 125 करोड़ रुपए का इनाम दिया गया।

मरीन ड्राइव पर 3 लाख से ज्यादा फैंस अपने क्रिकेटर्स के स्वागत के लिए मौजूद थे। बारिश के बावजूद 3 किमी लंबी सड़क पर सिर ही सिर दिख रहे थे, यहां पैर रखने की जगह तक नहीं थी।

ऐसे में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पुलिस कमिश्नर से बात की और सुरक्षा बढ़ा दी गई। कई फैंस भारतीय जर्सी में नजर आए। वे फूल और ढोल-नगाड़े लेकर पहुंचे थे।

टीम इंडिया गुरुवार सुबह 6:10 बजे बारबाडोस से दिल्ली पहुंची थी। यहां कप्तान रोहित शर्मा सहित ऋषभ पंत, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या ने भांगड़ा किया। टर्मिनस से बाहर आकर कप्तान रोहित शर्मा, बीसीसीआई सचिव जय शाह और प्रेसिडेंट रोजर बिन्नी ने केक काटा। इस दौरान भारतीय फैंस अपने चहेते हीरोज की एक झलक पाने के लिए बेताब दिखे।

एयरपोर्ट से टीम होटल आईटीसी मौर्या पहुंची। होटल में भी एक स्पेशल केक काटा गया। इसके बाद सुबह 10.46 बजे पीएम आवास पहुंचे। इस दौरान खिलाड़ियों ने पीएम को एक जर्सी दी, जिस पर नमो-1 लिखा है। पीएम आवास पर खिलाड़ी करीब 2 घंटे रहे। टीम इंडिया तूफान की वजह से बारबाडोस में तीन दिन से फंसी थी। बीसीसीआई ने उसे लाने के लिए स्पेशल विमान भेजा। इस प्लेन का नाम 'चैंपियंस 24 वर्ल्ड कप' रखा गया।

पुलिस ने बढ़ा दी थी सुरक्षा

मुंबई पुलिस को मरीन ड्राइव पर भगदड़ की आशंका थी। ऐसे में पुलिस ने सुरक्षा और कड़ी की। इससे पहले मुंबई पुलिस ने लोगों से मरीन ड्राइव नहीं आने की सलाह दी थी। पुलिस की एक टुकड़ी टीम इंडिया की बस के साथ थी। भगदड़ की आशंका को देखते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुंबई पुलिस कमिश्नर से बात की। उन्होंने भीड़ को कंट्रोल करने के सख्त निर्देश दिए। मरीन ड्राइव की ओर आने वाले ट्रैफिक पर रिस्ट्रिक्शन लगा दिया गया।

मुंबई पुलिस ने मरीन ड्राइव में की बैरिकेडिंग

भगदड़ की आशंका के चलते मुंबई पुलिस ने नरीमन पॉइंट और वानखेड़े स्टेडियम पर बैरिकेडिंग शुरू कर दी। जगह-जगह पर बैरिकेड्स लगाए गए। सुरक्षा के चलते मुंबई में कोस्टल रोड को बंद कर दिया गया।

टीम इंडिया के सभी खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ के सदस्य शाम करीब 6:20 बजे मुंबई एयरपोर्ट से निकले। कप्तान रोहित शर्मा के हाथ में ट्रॉफी रही, उनके साथ विराट कोहली और बाकी प्लेयर्स पीछे-पीछे निकले।

टीम इंडिया का प्लेन जैसे ही एयरपोर्ट पहुंचा, उनके प्लेन को वॉटर कैनन सैल्यूट दिया गया। खिलाड़ी प्लेन के अंदर थे, इस दौरान पानी की बौछारें की गईं। बड़ी संख्या में फैंस पहुंचने के कारण मरीन ड्राइव पर जाम लग गया। ऐसे में फैंस ने एक एंबुलेंस को रास्ता दिया।

दूसरे सप्ताह भी मुख्यमंत्री के जनदर्शन में नागरिकों में जबरदस्त उत्साह

आग्रह-अनुरोध लेकर प्रदेशभर से बड़ी संख्या में पहुंचे थे लोग

मेधावी बच्चों को प्रोत्साहन राशि और स्कूटी के लिए 26 लाख रूपए

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निवास कार्यालय में दूसरे सप्ताह के जनदर्शन कार्यक्रम में नागरिकों में जबरदस्त उत्साह रहा। मुख्यमंत्री श्री साय से मुलाकात करने और अपने आग्रह-अनुरोध उन्हें प्रत्यक्ष सौंपने के लिए प्रदेशभर से बड़ी संख्या में लोग आए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने श्रमवीरों के मेधावी बच्चों को दो-दो लाख रूपए के चेक भी प्रदान किए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अपने निवास कार्यालय परिसर में अपनी मां के नाम दहीमन का पौधा लगाया। जनदर्शन स्थल के पास स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी लगाया गया था, जिसका नागरिकों ने लाभ उठाया। आज के कार्यक्रम में अनेक ऐसे लोग मुख्यमंत्री को धन्यवाद कहने आए थे, जो पिछले जनदर्शन में आए थे और उनके आवेदनों का निराकरण भी हो गया था।

आज आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने नोनी-बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत 13 बच्चों को दो-दो लाख रूपए के चेक दिए गए। इसमें से एक लाख रूपए प्रोत्साहन के रूप में और एक लाख रूपए स्कूटी खरीदने के लिए दिए गए। पंजीकृत निर्माणी श्रमिक परिवारों के पुरस्कृत बच्चों ने दसवीं और बारहवीं में 2023-24 के टॉप-10 सूची में स्थान बनाया है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने अपनी मां के नाम दहीमन का, जो पौधा लगाया है, वह औषधीय गुणों से युक्त है। यह पौधा सरगुजा अंचल में पाया जाता है। मुख्यमंत्री ने लोगों से भी मां के नाम अपने-अपने निवास या गांव में पौधा लगाने की अपील की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में लोगों से एक पेड़ मां के नाम लगाने की अपील की थी। इस बार के जनदर्शन में बड़ी संख्या में ऐसे भी लोग शामिल हुए, जो पिछले बार के जनदर्शन में भी आए थे, तब उनके आवेदनों का निराकरण मुख्यमंत्री के निर्देश पर तत्काल कर दिया गया था। इन लोगों ने त्वरित कार्यवाही के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

दहशतगर्दी का गढ़ बन चुका पाकिस्तान अब खुद कर रहा आतंक की शिकायत

अफगान तालिबान से बातचीत का किया आह्वान

अस्ताना (एजेंसी)। कजाखस्तान की राजधानी अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक जारी है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को इस बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर के सामने भारत के खिलाफ जहर उगला है। उन्होंने भारत का नाम लिए बगैर कहा कि 'राज्य आतंकवाद' की आलोचना की जानी चाहिए। यही नहीं, उन्होंने संगठन के सदस्य देशों से अफगान तालिबान सरकार के साथ 'सार्थक बातचीत' का भी आह्वान किया।

विदेश मंत्री जयशंकर कर रहे भारत का प्रतिनिधित्व

संसद सत्र के चलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बैठक में शामिल नहीं हुए हैं। विदेश मंत्री जयशंकर भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। हालांकि, प्रधानमत्री मोदी ने डिजिटली इस बैठक को संबोधित किया है। चीन, भारत, तुर्की, ईरान, अजरबैजान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान सहित कई देशों के नेता और राजनयिक आर्थिक व सुरक्षा सहयोग पर चर्चा करने के लिए अस्ताना में एकत्र हुए हैं।

पाकिस्तान के एक प्रमुख समाचार पत्र की खबर के मुताबिक, शहबाज शरीफ ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि आर्थिक विकास के लिए पहली शर्त क्षेत्र में शांति बनाए रखना है। उन्होंने कहा, अफगानिस्तान में स्थायी शांति हासिल करना इस साझा उद्देश्य की आधारशिला है। शरीफ ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आह्वान किया कि अपनी आर्थिक और विकास जरूरतों को पूरा करने के लिए अफगान तालिबान सरकार को बातचीत में शामिल करें। उन्होंने यह भी कहा कि अफगान तालिबान को यह सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए कि उसकी सरजमीं का इस्तेमाल किसी अन्य देश के खिलाफ आतंकवाद के लिए न हो।

खबर के मुताबिक, शरीफ ने आगे कहा कि आतंकवाद के सभी रूपों की साफ शब्दों में निंदा की जानी चाहिए। इसमें 'राज्य आतंकवाद' भी शामिल है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए निर्दोष लोगों की हत्या या आतंकवाद का हौवा खड़ा करने का कोई औचित्य नहीं है।

सारण में 24 घंटे के अंदर तीसरा पुल गिरा, तेज बहाव नहीं झेल पाया गंडक नदी पर बना ब्रिज

सारण(एजेंसी)। सारण में पुल ध्वस्त होने का सिलसिला जारी है। 24 घंटे के अंदर तीसरा पुल ध्वस्त हो गया। बनियापुर के दो पंचायतों सरेया और सतुआ को जोड़ने वाला पुल अनियमितता का भेंट गया है। दोनों पंचायतों के दर्जनों गांवों का संपर्क टूट गया है। इस कारण ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यह पुल सतुआ पंचायत और सरैया पंचायत को जोड़ने वाला मुख्य पुल था। पुल के दोनों तरफ ग्रामीण खेती करते हैं। साथ ही इंटर कॉलेज होने के चलते सरेया के छात्र छात्राओं को विद्यालय जाने के लिए एकमात्र यही सहारा था। पुल टूटने और नदी में पानी होने से लोगो को काफी परेशानियों का सामना करना होगा। हादसे के बाद सारण के डीएम ने कहा कि जिले में इन छोटे पुलों के ढहने का कारण जानने के लिए उच्च स्तरीय जांच का आदेश दिया गया है। ग्रामीणों के अनुसार, गंडकी नदी पर इस पुल का निर्माण पांच वर्ष पूर्व स्थानीय मुखिया के निजी कोष से हुआ था। नदी में सफाई कार्य के बाद पुल के किनारे और पाया के पास की मिट्टी कम होने और पानी के तेज बहाव होने के कारण पुल टूट गया। लगभग दस किलोमीटर दूर लहलादपुर प्रखंड के जनता बाजार में बुधवार को दो पुल टूटने की घटना हुई थी। सारण जिले में गंडक नदी पर महज 24 घंटे के अंदर सारण जिले का तीसरा पुल टूटने का मामला सामने आया है। लगातार पुल टूटना सारण सहित पूरे बिहार में चर्चा का विषय बना हुआ है। फिलहाल पुल टूटने से बनियापुर के सतुआ और सरेया पंचायत के ग्रामीणों को आवागमन प्रभावित हो गया है।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, आयोजन समिति के छह लोग गिरफ्तार, मुख्य आरोपी पर एक लाख का इनाम घोषित

शवों की पहचान हो गई और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी हुई

अलीगढ़ (एजेंसी)। गिरफ्तार लोगों में उपेंद्र, मंजू यादव, मुकेश कुमार शामिल हैं। घटना पर अलीगढ़ के आईजी शलभ माथुर ने कहा कि जोन स्तर पर सभी जिलों में एसओजी की टीमों को आरोपियों के चिह्नीकरण व गिरफ्तारी के लिए लगाया गया है। साथ ही मौके से मिले साक्ष्यों को विवेचना का हिस्सा बनाया जा रहा है।

गिरफ्तार लोगों ने बताया है कि बाबा के चरण रज लेने से काफी कष्ट दूर हो जाते हैं। गिरफ्तार लोगों ने बताया कि सेवादार के रूप में कार्य करते हैं, समिति के अध्यक्ष व सदस्य हैं। विवेचना में अगर बाबा का नाम आता है तो उस बिंदु पर कारवाई होगी। जरूरत पड़ने पर बाबा से पूछताछ की जाएगी।

आईजी ने बताया कि मृतकों की संख्या 121 है। सभी शवों की पहचान हो गई है और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी हो गई है। आईजी शलभ माथुर ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता की धारा-105, 110, 126(2), 223 और 238 के अंतर्गत मामला दर्ज़ किया गया है।

मुख्य आरोपी मधुकर पर एक लाख का इनाम घोषित किया गया है। जल्द ही उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया जाएगा। आईजी ने कहा कि हम इस बात की भी जांच करेंगे कि क्या यह घटना किसी साजिश के चलते हुई है।

आईजी ने कहा कि आयोजकों ने पहले भीड़ को रोक लिया था, फिर एक दम लोगों को छोड़ने से यह हादसा हुआ। महिलाएं और बच्चे एक-दूसरे के ऊपर गिर गए। चरणरज के लिए भीड़ बाबा की गाड़ी के पास थी।

आईजी शलभ माथुर का कहना है कि हम 'भोले बाबा' के आपराधिक इतिहास की जानकारी ले रहे हैं। उनके नाम पर कार्यक्रम की अनुमति नहीं ली गई थी।

अलीगढ़ आईजी शलभ माथुर ने हाथरस हादसे को लेकर हाथरस में पत्रकार वार्ता की। जिसमें बताया कि 2 जुलाई को हाथरस के सिकंद्राराऊ के ग्राम फुलरई मुगलगढ़ी की दुखद घटना सूरज पाल उर्फनारायण साकार हरि भोले बाबा के सत्संग कार्यक्रम में घटित हुई, यहां पर भगदड़ मचने से आज तक की तारीख में 121 मौत हुई। जिनमें 112 महिला, 2 पुरूष, 6 बच्चे, 1 बच्ची है।

घटना के संबंध में पीएमओ ने 2 लाख और यूपी सरकार ने 2 लाख रूपये देने की घोषणा की है। राज्य सरकार ने घटना की जांच के लिए न्यायमूर्ति बृजेश कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सेवानिवृत आईएएस हेमनत राव और सेवानिवृत आईपीएस भवेश कुमार सिंह सदस्यों की समिति गठित की गई है। थाना सिकंदराराऊ में हादसे वाली तारीख 2 जुलाई को भारतीय न्याय संहिता की धारा105, 110, 126 (2), 223, 238 में मुकदमा पंजीकृत किया गया। विवेचना प्रारंभ करते हुए 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जोन स्तर पर एसओजी का गठन किया गया है।

इनकी हुई गिरफ्तारी

राम लडैते पुत्र रहबारी सिंह यादव निवासी भानपुरा थाना कुरावली जनपद मैनपुरी. उपेन्द्र सिंह यादव पुत्र रामेश्वर सिंह निवासी बाईपास एटा रोड थाना शिकोहाबाद. मेघसिंह पुत्र9 हुकुम सिंह निवासी मौ दमदपुरा थाना सिकंदराराऊ, हाथरस. मंजू यादव पत्नी सुशील कुमार निवासी कचौरा थाना सिकंदराराऊ, हाथरस. मुकेश कुमार पुत्र मोहर सिंह प्रेमी निवासी न्यू कॉलोनी दमदपुरा थाना सिकंदराराऊ हाथरस. मंजू देवी पत्नी किशन कुमार यादव निवासी कचौरा थाना सिकंदराराऊ, हाथरस

गिरफ्तार लोगों ने बताया ऐसे हुआ हादसा

आयोजन समिति के सदस्य हैं और सेवादार के रूप में कार्य करते हैं। आयोजक व पकड़े लोगों द्वारा सत्संग कमेटी में भीड़ व चंदा इकट्ठा कर सहयोग देते हैं। कार्यक्रम आयोजन के लिए विभिन्न प्रकार की वर्दी दी गयी। बाबा के अनुयायियों में मान्यता है कि बाबा के चरण रज से बहुत सारे संकट दूर हो जाते हैं। बाबा की चरण रज लेने के लिए भीड़ गाड़ी के पास आई, तो सेवादारों ने उन्हें रोका और काफ्लिा निकल जाने के बाद भीड़ को अनियंत्रित छोड़ दिया। जिससे महिलाएं और बच्चे एक-दूसरे पर गिरने लगे। यह देखकर सभी वहां से जल्दी निकल लिए। विवेचना में आया कि यह लोग पुलिस-प्रशासन को आयोजन की फोटो, वीडियो बनाने से रोकते थे और उनके साथ अभद्रता करते थे। मुख्य आयोजक देव प्रकाश मधुकर की गिरफ्तारी पर 1 लाख का इनाम घोषित किया गया है।

हेमंत सोरेन तीसरी बार बने सीएम

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने दिलाई मुख्यमंत्री पद की शपथ

रांची (एजेंसी)। झारखंड में तेजी से बनते-बिगड़ते सियासी समीकरण के बीच पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आज तीसरी बार मुख्यमंत्री बने। इससे पहले उन्हें विपक्षी गठबंधन- इंडिया के विधायक दल का नेता चुना गया था। राज्यपाल सीवी राधाकृष्णन ने पूर्व सीएम चंपई सोरेन के इस्तीफे के बाद हेमंत सोरेन को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया था।

राजभवन में केवल हेमंत सोरेन को सीएम पद की शपथ दिलाई गई। मंत्रिमंडल विस्तार बाद में किया जाएगा। ऐसे में मंत्रिमंडल के सहयोगियों को बाद में शपथ दिलाई जाएगी।

शपथ ग्रहण से पहले झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने बताया था कि राज्यपाल ने सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया है। शपथ ग्रहण समारोह सात जुलाई को होगा। हालांकि, बाद में हेमंत के आज ही शपथ लेने की बात सामने आई और अब हेमंत तीसरी बार सीएम बन चुके हैं।

चंपई सोरेन समन्वय समिति के चेयरमैन होंगे

गौरतलब है कि झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने कल राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। इसके बाद चंपई सोरेन ने ही विधायक दल के नेता और राज्य के अगले मुख्यमंत्री के रूप में हेमंत सोरेन के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसे सर्वसम्मति से पास कर दिया है। वहीं, चंपई सोरेन समन्वय समिति के चेयरमैन होंगे। इसके बाद हेमंत सोरेन ने सरकार बनाने का दावा पेश किया।

चंपई सोरेन के आवास पर हुई थी बैठक

इससे पहले चंपई सोरेन के आवास पर विधायकों की बैठक हुई। बैठक में तय किया गया है कि हेमंत सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा के विधायक दल के नेता होंगे। बैठक में कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर के अलावा हेमंत सोरेन के भाई बसंत सोरेन और पत्नी कल्पना सोरेन भी शामिल थे।

28 जून को जेल से रिहा हुए थे हेमंत सोरेन

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को 28 जून को करीब पांच महीने बाद जेल से रिहा किया गया था। जमीन घोटाले से जुड़े धन शोधन के मामले में अदालत से जमानत मिलने बाद उन्हें जेल से रिहा किया गया। हेमंत ने 31 जनवरी को गिरफ्तार होने के बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था।

संक्षिप्त समाचार

स्कूल में शिक्षक की कमी के कारण पढ़ाई हो रही प्रभावित, ग्रामीण पहुंचे बीईओ कार्यालय पाटन, शिक्षक व्यवस्था का आश्वासन के बाद लौटे ग्रामीण

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम पंदर के प्रायमरी स्कूल में शिक्षक की कमी से जूझ रहे पालक आज बी ई ओ आफिस पाटन जाकर शिक्षक व्यवस्था किए जाने की मांग करते हुए विकास खंड शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौपा गया। कल से वैकल्पिक रूप से शिक्षक की व्यवस्था किए जाने का आश्वासन दिए जाने के बाद ग्रामीण वापस लौटे। ग्रामीणों ने अपने ज्ञापन में बताया है की शासकीय प्राथमिक शाला पंदर में सिर्फ दो ही शिक्षक है। दोनो शिक्षक महिला है। एक शिक्षक के घर में शादी का कार्यक्रम है इसके कारण वो अभी छुट्टी में है। इस कारण अभी स्कूल में सिर्फ एक ही शिक्षक है। इस एक शिक्षक पांच क्लास का ध्यान रखे रही है। इसके अलावा कार्यालय का काम काज भी उसी के द्वारा किया जा रहा है। इस तरह से बच्चो का पढ़ाई प्रभावित हो रही है। ज्ञापन लेने के बाद बी ई ओ प्रदीप महिलांगे ने ग्रामीणों को आश्वासन दिए की अभी व्यवस्था के तहत एक ओर शिक्षक को वहा पर भेजा जाएगा। बी ई ओ कार्यालय में ज्ञापन सौंपने वालों में सरपंच वेद कुमारी वर्मा के प्रतिनिधि के रूप में लूकेश वर्मा, सुनीता यादव, सुनीता वर्मा, कामनी साहू, चित्रा, रेखा, सुमन धीमर, वर्षा, कुमारी बाई,सीमा सहित अन्य शामिल है।

कृषि आदान उर्वरक एवं बीज का भण्डारण एवं वितरण कार्य प्रगति पर

दुर्ग। जिले में कृषि विभाग द्वारा मौसम खरीफ 2024 में कृषकों को उच्च गुणवत्तायुक्त आदान सामग्री तथा यथा-उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक दवाई की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए सघन अभियान चलाया जा रहा है। जिले में इस वर्ष खरीफ2024 में बीज वितरण का 28696 क्विंटल लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसकी तुलना में अद्यतन निजी एवं सहकारी प्रतिष्ठानों में 33259.21 क्विंटल बीज का भण्डारण किया गया है। भण्डारित बीज में से 32809.86 क्विंटल बीज का वितरण कृषकों को किया जा चुका है। इसी प्रकार इस वर्ष खरीफ2024 में उर्वरक वितरण का 62300 मि.टन लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसकी तुलना में अद्यतन निजी एवं सहकारी प्रतिष्ठानों में 52317 मि.टन उर्वरक का भण्डारण किया गया है। जिसमें 39312 मि.टन उर्वरक वितरण कृषकों को किया जा चुका है। जिला विपणन अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार सहकारी समितियों में मांग अनुसार उर्वरकों का भण्डारण कार्य प्रगतिरत् है। वर्तमान में 2967 मि.टन उर्वरक के आर.ओ. पेंडिंग है, जिसकी आपूर्ति प्रगतिरत् है। उर्वरक का शासन स्तर पर कृषकों के लिए निर्धारित दर प्रति बोरी क्रमश: यूरिया 266.50 रूपए, डी.ए.पी. 1350 रूपए, एन.पी.के. 12:32:16-1470 रूपए, एन.पी.के. 20:20:0:13-1200 रूपए, एम.ओ.पी. 1625 रूपए, एस.एस.पी. पाउडर 469 रूपए, एस.एस.पी. दानेदार 510 रूपए जिंकेटेड एस.एस.पी. पाउडर 490 रूपए है। किसान भाइयों से अपील की गई है कि शासन स्तर से निर्धारित दर पर ही निजी एवं सहकारी प्रतिष्ठानों से उर्वरक का त्वरित गति से उठाव किया जाए ताकि जिले स्तर पर उर्वरक की कमी होने पर जिला विपणन अधिकारी कार्यालय से मांग की जा सके। जिले में वर्तमान में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक भण्डारित है। कृषि विभाग के मैदानी अधिकारियों को ग्राम स्तर पर सतत् भ्रमण करने व निजी एवं सहकारी प्रतिष्ठानों में सतत् निगरानी के निर्देश दिये गये हैं। साथ ही कृषकों की मांग अनुसार तत्काल आदान सामग्रियों का भण्डारण एवं वितरण सुनिश्चित करने कहा गया है।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक 9 को

बिलासपुर। कलेक्टर अवनीश शरण की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक 9 जुलाई को दोपहर 12 बजे से जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में होगी। बैठक में जिले में सड़क सुरक्षा क्रिया-कलापों की निगरानी, सड़क दुर्घटनाओं के आकड़ों की निगरानी, सड़क दुर्घटनाओं के कारणों को पहचानना और उसका अध्ययन, राष्ट्रीय एवं राज्य सड़क सुरक्षा परिषद को सुझाव प्रदान करना, सड़क सुरक्षा मानकों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करना, दुर्घटना में कमी लाने के लिए कार्ययोजना, गति सीमा और यातायात को सुचारू बनाने के उपायों की समीक्षा एवं सड़क सुरक्षा से संबंधित अन्य मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

सर्किट कोर्ट सीटिंग कैम्प का आयोजन 8 से 13 जुलाई तक

बिलासपुर। केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण जबलपुर न्यायपीठ जबलपुर (म.प्र.) का सर्किट कोर्ट सीटिंग कैम्प 8 जुलाई से 13 जुलाई 2024 तक जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण कार्यालय में आयोजित किया जाएगा।

कोसा की पहचान देश विदेश में, मिलकर करेंगे बेहतरी के लिए कार्य - कलेक्टर

कलेक्टर ने ग्रामोद्योग विभाग की विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक ली

स्टॉक होल्डर, बुनकर, धागाकरण, कृमिपालन हितग्राहियो से की चर्चा, हेंडलूम का किया निरीक्षण

भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान चाम्पा का किया निरीक्षण

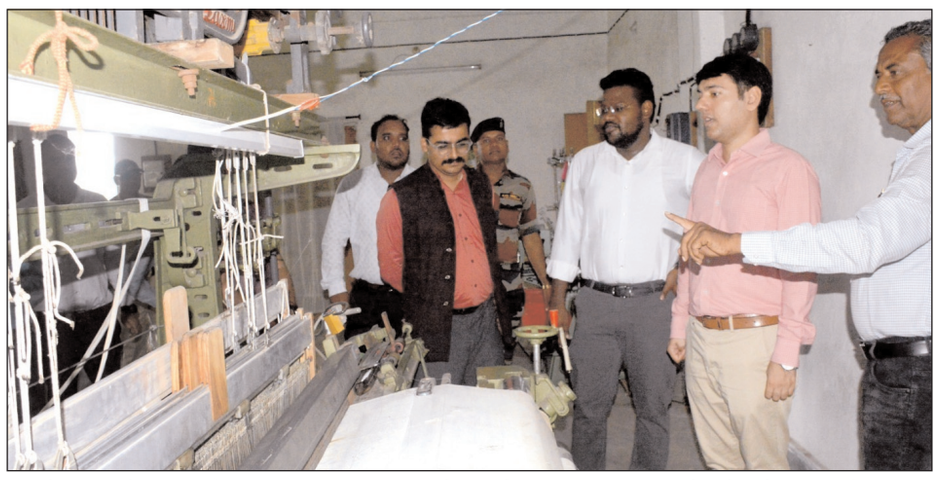

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर आकाश छिकारा ने गुरुवार को ग्रामोद्योग बोर्ड के तहत हस्तशिल्प, रेशम, खादी, हथकरघा, उद्योग विभाग के विभिन्न घटकों के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति के सम्बंध में जानकारी ली। उन्होंने सभी अधिकारियों को विभाग में संचालित योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करने एवं लाभान्वित हितग्राहियों के आय में वृद्धि करने के लिए व्यक्तिगत रुचि लेकर कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही उनके उत्पादों का मूल्य संवर्धन कर उन्हें विक्रय के लिए बाजार उपलब्ध कराने के लिए कहा। इस हेतु हितग्राहियों को आवश्यक सुविधाएं, उपकरण एवं प्रशिक्षण भी दिलाने की बात कही। उन्होंने कहा कि जिले की पहचान कोसा है और इसकी बेहतरी के लिए प्रशासन के साथ ही कोसा से जुड़े बुनकर, हटकरघा उद्योग से जुड़े व्यवसायी समन्वय बनाकर कार्य करेंगे। उन्होंने इस दौरान विभागीय योजनाओं से लाभांवित हुए हितग्राहियों से उनके कार्यो एवं उनकी समस्याओं के सम्बंध में चर्चा की। इस दौरान स्टॉक होल्डर, बुनकर, धागाकरण, कृमिपालन हितग्राहियो से की चर्चा करते हुए सुझाव भी लिए। कलेक्टर ने सभी हितग्राहियों को अपने कला कौशल को और निखारने एवं अच्छे से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं के बारे में जानकारी देने के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि हितग्राही विभागीय योजनाओं का लाभ उठाकर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाए। उन्होंने कहा कि जिले में कोकून के उत्पादन को बढ़ाने के लिए रेशम विभाग द्वारा कार्य किया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने भारतीय हाथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान के विभिन्न कक्षों का निरीक्षण भी किया। उन्होंने संस्थान के द्वारा दिए जा रहे पाठ्यक्रम की जानकारी भी ली। उन्होंने जकार्ड प्रयोग शाला कक्ष, पावरलूम, हेण्डलूम के तहत संचालित गतिविधियों की जानकारी ली। इस अवसर पर सहायक कलेक्टर श्री दुर्गा प्रसाद अधिकारी, एसडीएम चांपा श्री नीरनिधि नंदेहा, सहायक संचालक हाथकरघा, सहायक संचालक रेशम विभाग, जिला उद्योग एवं व्यापार केंद्र सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी व्यवासायी एवं हितग्राही उपस्थित थे।

कुलीपोटा मत्स्य केन्द्र पहुंचे कलेक्टर

कलेक्टर ने मत्स्य पालन कार्य का किया निरीक्षण

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर आकाश छिकारा ने कुलीपोटा में मत्स्य पालन के कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मछुआ सहकारी समितियों के सदस्यों को प्रशिक्षण देने और हेचरी का भ्रमण कराने के निर्देश दिए। इस दौरान सहायक संचालक मत्स्योद्योग श्री उमाशंकर भी मौजूद थे।

कलेक्टर आकाश छिकारा ने मत्स्य पालन विभाग द्वारा कुलीपोटा हेचरी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जिले में मत्स्य प्रक्षेत्र केंद्रों के बारे में जानकारी ली। कुलीपोटा स्थित इस प्रक्षेत्र की पूरी कार्य प्रणाली और केंद्र में तैयार किए जाने वाले बीज, उनके वितरण की पूरी प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान हेचरी में प्रत्येक चरण में तैयार बीज, तालाब में मत्स्य पालन के कार्य को देखा। उन्होंने कहा कि मत्स्य प्रक्षेत्र जिले के अच्छे प्रक्षेत्रों में से एक है। जिले में तालाब, नदी में मछली पालन के माध्यम से इसका फायदा उठाए। केंद्र में उपयोग में लिए जाने वाले पानी की पाइप लाइन का निरीक्षण किया। सहायक संचालक मत्स्य ने प्रति वर्ष जिले में बीज तैयार करने, मत्स्य पालन करने वाले किसानों को शासकीय दर पर दिए जाने वाले बीज विक्रय की जानकारी दी। सहायक संचालक मत्स्य ने बताया कि कतला, रोहू तथा अन्य वैरायटी की मछली शामिल है। इस अवसर पर संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

हॉस्पिटैलिटी एवं होटल मैनेजमेंट में प्रशिक्षण हेतु 12 जुलाई तक आवेदन पत्र आमंत्रित

दुर्ग। अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति वर्ग के युवक/युवतियों के लिए हॉस्पिटैलिटी एवं होटल मैनेजमेंट में प्रशिक्षण योजना अंतर्गत प्रशिक्षण दिया जाना है। वर्ष 2024-25 के लिये हॉस्पिटैलिटी एवं होटल मैनेजमेंट में कैरियर बनाने की आकांक्षा रखने वाले प्रदेश के युवक/युवतियों से 12 जुलाई 2024 समय 5 बजे तक आवेदन आमंत्रित है। आवेदन पत्र का प्रारूप, नियम एवं शर्ते विभाग की वेबसाईट पर उपलब्ध है। आवेदन पत्र पंजीकृत डाक द्वारा अथवा कार्यालय आयुक्त आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास इन्द्रावती भवन नवा रायपुर में उपस्थित होकर जमा किया जा सकता है। निर्धारित तिथि एवं समय पश्चात् प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास दुर्ग श्री हेमंत सिन्हा से मिली जानकारी अनुसार उक्त प्रशिक्षण अंतर्गत कुल 100 छात्र/छात्राओं को लाभान्वित किया जाएगा। बजट उपलब्धता के आधार पर लक्ष्य परिवर्तनशील होगा। यह प्रशिक्षण पूर्णकालिक होगा एवं प्रशिक्षणार्थी को प्रशिक्षण अवधि में अन्यत्र किसी नियमित पाठ्यक्रम अथवा नौकरी/ व्यवसाय करने की अनुमति नहीं होगी। प्रशिक्षणार्थियों के प्रशिक्षण का व्यय विभाग द्वारा वहन किया जाएगा। यह प्रशिक्षण आवासीय है। प्रशिक्षण में छात्रावास एवं मेस की सुविधा भी नि:शुल्क होगी। प्रशिक्षण उपरांत प्रशिक्षण देने वाली संस्था द्वारा जॉब प्लसमेंट की प्रक्रिया से प्रशिक्षण से संबंधित जॉब भी उपलब्ध करायी जाएगी।

मिशन अस्पताल की लीज निरस्त

मिशन अस्पताल की लीज निरस्त

बिलासपुर (समय दर्शन)। जिला प्रशासन जेकमेन मेमोरियल मिशन अस्पताल की बेशकीमती कई एकड़ में फैली भूमि लीज नवीनीकरण आवेदन को निरस्त करने के बाद इस मामले की गंभीरता को देखते हुए केविएट भी दाखिल कर चुकी है। नजूल अधिकारी जिला कलेक्टर बिलासपुर की ओर से कल छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में केबिनेट दाखिल कर दी गई। बिलासपुर मिशन रोड स्थित मिशन अस्पताल 1885 से संचालित है। 1994 में इस जमीन की लीज अवधि पूरी हो गई थी। वर्ष 2003 के बाद से जेकमेन अस्पताल की वर्तमान समिति लीज नवीनीकरण के लिए लगातार प्रयास रत रही थी। 2001 उपरांत बिलासपुर में लगभग 10 कलेक्टर बदल गए वर्ष 2023 में बिलासपुर के कलेक्टर ने नजूल अधिकारी को विस्तृत जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने कहा था। इसी बीच विधानसभा चुनाव तत्पश्चात लोकसभा चुनाव हुए तीन मुख्य बातें जेकमेन के खिलाफ गई ।

पहले लीज संपत्ति को बेच देना गौर तलब है कि मिशन अस्पताल से लगा हुआ भूखंड जिसमें वर्तमान में ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल और यूनिटी अस्पताल संचालित है। 1985 के पूर्व मिशन अस्पताल की ही संपत्ति थी उक्त संपत्ति को जेकमेन सोसाइटी ने राय साहब बनवारी लाल को बिक्री किया था। सर्वोच्च अदालत ने भी इस खरीदी बिक्री को मान्यता नहीं दी पर जेकमेन सोसाइटी ने सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद 11 साल तक हकृषि वाद दाखिल नहीं की, और यह भूखंड अग्रवाल परिवार के नाम दर्ज हो गई। कई प्रयास के बाद इस भूखंड का लैंड उसे सार्वजनिक जनकल्याण से परिवर्तित नहीं होता प्लीज से प्राप्त भूमि को अन्य उपयोग के लिए किराए से देना मिशन अस्पताल कंपाउंड में एक कैंटीन, सेकंड हैंड कर का शोरूम और ऊलन मार्केट इसी श्रेणी में आए। समय-समय पर मिशन अस्पताल कंपाउंड में भिन्न-भिन्न नामों से अस्पतालों का संचालन भी हुआ यह भी लीज शर्त का उल्लंघन का कारण बना अब यह देखने लायक होगा कि जेकमेन मेमोरियल अस्पताल की समिति नजूल अधिकारी के विरुद्ध क्या कानूनी राहत लेने की कोशिश करती है।

डीएलसीसी व डीएलआरसी की तिमाही समीक्षा बैठक संपन्न, शर्तों का उल्लंघन भारी पड़ा मिशन को

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना अंतर्गत दो महिला हितग्राही को दावा राशि का चेक प्रदान किया गया

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में डीएलसीसी व डीएलआरसी की तिमाही समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में समस्त शासकीय योजनाओं की शाखावार 31 मार्च 2024 के लक्ष्य प्राप्ति, किसान क्रेडिट कार्ड (पशु पालन एवं मछली पालन) के प्रकरण के प्रस्तुति और स्वीकृति, अस्वीकृति, वित्तीय सेवाएं, विभाग का जनसुरक्षा योजनाओं की अभियान की प्रगति एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की वर्तमान स्थिति, किसान क्रेडिट कार्ड, आधार सीडिंग, वर्ष 2023-24 हेतु एनआरएलएम द्वारा आबंटित लक्ष्य एवं प्रगति, अंत्योदय स्वरोजगार योजना एवं आदिवासी स्वरोजगार योजना की प्रगति की जानकारी ली गई। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने कहा कि प्राइल्टी सेक्टर में केवल कृषि ही नहीं, उद्यानिकी, मत्स्य पालन, पशुपालन के प्रकरणों पर विशेष फेकस करें बैंकर्स। शासकीय योजनाओं से संबंधित ऋण प्रकरणों को प्राथमिकता से स्वीकृत करें। विभाग प्रकरण स्वीकृति हेतु बैंकों को प्रस्तुत करें। साथ ही बैंकों द्वारा प्रकरण रिजेक्ट के कारणों पर विशेष ध्यान देवें। उन्होंने बैंकों को सीडी रेसियों पर विशेष ध्यान देने कहा। बैठक में वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान शासकीय योजना और सामाजिक सुरक्षा योजना में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बैंकर्स को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हायर सेकेण्डरी परीक्षा में राज्य में प्रावीण्य सूची में दसवां स्थान प्राप्त कर 95 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला जेवरा सिरसा की छात्रा कुमारी भावना साहू और हाई स्कूल परीक्षा में प्रावीण्य सूची में आठवा स्थान प्राप्त कर 97.50 प्रतिशत अंकों के साथ दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रा कुमारी दुर्गारानी वर्मा को बैंकर्स की तरफसे प्रतीक चिन्ह, प्रशस्ति पत्र और बैडमिंटन रैकेट भेंट कर सम्मानित किया गया। बैठक के दौरान ग्राम रसमड़ा के श्रीमती रंजिता नायक और गीता बाई साहू को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना अंतर्गत बैंक ऑफ बड़ौदा से सेटल किये गये दो लाख रूपए का दावा चेक प्रदान किया गया।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक ने प्रकरणों पर की जनसुनवाई

स्वजातीय विवाह पर अब नहीं लगेगा सामाजिक प्रतिबंध

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक ने आज कार्यालय जिला कार्यकम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग दुर्ग के प्रेरणा सभाकक्ष में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों पर सुनवाई की। आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक की अध्यक्षता में आज 255 वीं एवं दुर्ग में 10 वीं सुनवाई हुई। आज की सुनवाई में एक प्रकरण में उभय पक्ष उपस्थित आवेदिका हाईस्कूल निनवा जिला बेमेतरा शासकीय स्कूल में प्रध्यापक के पद पर 11 साल से कार्यरत है जिसकी वेतन 55 हजार रूपये है। आवेदिका के 8 साल का बेटा व 6 साल की बेटी है और उसे अपने पति के पेंशन स्वरूप 20 हजार रूपये की राशि मिलती है जो रेल्वे में टेक्नशियन के पद पर कार्यरत था। अनावेदक कमांक 01 व 02 आवेदिका के सास ससुर है। मृतक अरूण कुमार उनके एकलौता बेटा था और तीन बेटियां है। अनावेदक क. 1 प्राईवेट कम्पनी में कार्य करता था और अपने कमाई से मकान अपने स्व. बेटे के नाम पर खरीदा था। जिसमें आज आवेदिका अपने बच्चों के साथ रहती है और अनावेदकगणों को अपने घर से बाहर निकाल दिया है और रेल्वे का क्लेम भी आवेदिका को मिला है। हर महीने 20 हजार रूपये आवेदिका ले रही है और अनावेदकगणों का भरण पोषण भी नहीं कर रही है। समझाईश दिये जाने पर अपने सास ससुर को 10 हजार रूपये प्रतिमाह दिये जाने को तैयार है। सखी वन स्टॉप सेंटर की प्रीति बाला शर्मा संरक्षण अधिकारी को जिम्मेदारी दी गई है कि दोनों पक्षों को बुलाकर राजीनामा बनवाए और दोनों पक्षों पास बुक डिटेल लेकर एंट्री करे तथा अनावेदक क 1 व 2 संयुक्त खाता में प्रति व्यक्ति 5 हजार के मान से हर माह के 10 तारीख को बैंक के आरटीजीएस के माध्यम से 10 हजार रूपये नियमित रूप से अदा करेगी। अगर आवेदिका ऐसा करने से मना करती है तो अनावेदकगण वरिष्ठ नागरिक कानून के तहत आवेदिका के खिलाफ कार्यवाही कर सकती है। इस पूरे प्रकरण की निगरानी प्रोडेक्शन ऑफिसर के व्दारा 1 साल तक की जायेगी। आवेदिका ने फोन पे के माध्यम से खाते में रूपये देना स्वीकार किया है। इसी प्रकार अन्य प्रकरण में उभय पक्ष उपस्थित दोनों पक्षों को विस्तार से सुना गया। अंत में दोनों पक्ष न्यायालय के बाहर आपसी राजीनामा कर चुके है। ऐसा उल्लेख किया गया है और इस बात पर भी सहमत है कि दोनों एक ही स्थान पर कार्य करने में असहज महसूस करेंगे ऐसी दशा में आयोग की सुनवाई में उभय पक्ष ने बताया है कि अपने कार्यालय ने दोनों में से एक अपना स्थानांतरण करवायेंगे। इस पर आयोग की सहमति है और आयोग की आर्डर शीट को संलग्न कर अग्रिम कार्यवाही कर सकते है। इसके बाद प्रकरण राजीनामा के आधार पर नस्तीबध्द किया गया। आवेदिका एक माह का वेतन एन.आई.ओ.एस. का मानदेय लगभग 65 हजार रूपये बचा हुआ अनावेदक से प्राप्त करना चाहती है। इस आशय का कि कब तक का भुगतान शेष है लिखित में आवेदिका अनावेदक को प्रस्तुत करने कहा गया। एक माह के अंदर अनावेदक इसका भुगतान करेगा। भुगतान नहीं मिलने की शर्त में आवेदिका महिला आयोग को सूचित करेगी। तब प्रकरण केवल उसी दशा में आगामी सुनवाई में रखा जायेगा। अन्यथा प्रकरण नस्तीबध्द किया जायेगा। एक अन्य आवेदिका ने अनावेदक के ऊपर कार्यस्थल से लैंगिक उत्पीड़न की शिकायत दर्ज करवायी है। जिस पर जांच समिति ने क्या निर्णय दिया उसकी कॉपी अब तक आवेदिका के पास उपलब्ध नहीं है। अनावेदक जो उस स्कूल के प्राचार्य है उन्हें निर्देशित किया गया है कि 15 दिन के अंदर आवेदिका को जांच प्रतिवेदन की प्रति उपलब्ध करवाने में सहयोग करें। आवेदिका तब तक सखी वन स्टॉप सेंटर के संरक्षण अधिकारी से मिल कर सहयोग ले सकती है। जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने के बाद आगामी सुनवाई रायपुर में की जायेगी।

स्वजातीय विवाह पर अब सामाजिक प्रतिबंध नहीं- एक प्रकरण में आवेदिका उनकी सास प्रतिमा साहू के साथ उपस्थित थी। सभी अनावेदकगण भी उपस्थित थे। आवेदिका ने अपने सामाज के नंद किशोर साहू से आर्य समाज में जाकर भागकर शादी किया था, दोनों एक ही समाज के है। इस पर अनावेदकगणों द्वारा आवेदिका एवं उनके परिवार का सामाजिक बहिष्कार कर दिया गया था। डेढ वर्ष बाद अनावेदकगणों द्वारा आवेदिका एवं उनके परिवार पर अर्थदंड लगाया गया और इसके साथ ही गांव के साहू समाज को खाना खिलाने की बात कही गई। वहीं अनावेदक पुहुप राम साहू जो गांव के समाज का अध्यक्ष है, ने आयोग के सुनवाई में स्वीकार किया कि दंड राशि नहीं ली जाती सिर्फ सहयोग राशि ली जाती है। उन्होंने कहा कि गांव से भागकर आर्य समाज में शादी करेंगे तो गांव का समाज बिगड़ जायेगा इसलिए प्रतिबंध लगाया जाता है।

सार समाचार

पैसे लेकर खराब गुणवत्ता का माल दिया, जुर्म दर्ज

रायपुर(समय दर्शन)। श्री बजरंग केमिकल डिस्टलरी एलएलपी प्रोसेसिंग यूनिट के नाम से 65 लाख रुपए लेकर खराब गुणवत्ता का माल देने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थी की शिकायत पर आरंग पुलिस ने अमानत में ख्यानत का मामला दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी मनोज कुमार पुरी 58 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी प्रवीण कुमार अपने पद का दुरूपयोग करते हुए मोज इंजीनियरिंग सिस्टम लिमिटेड से प्रार्थी के संस्थान श्री बजरंग केमिकल डिस्टलरी एलएलपी प्रोसेसिंग यूनिट के नाम से 65 लाख रुपए लेकर जान बूझकर प्रोसेसिंग यूनिट का गुणवत्ता में कमी लाकर अमानत में ख्यानत किया है।

सात जुआरी चढ़े पुलिस के हत्थे

रायपुर(समय दर्शन)। राखी पुलिस ने ग्राम उपरवारा में दबिश देकर जुआ खेलते 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से तासपत्ती सहित नकदी 1680 रुपए जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम उपरवारा के मगरटी तालाब के पास दबिश देकर जुआ खेलते आरोपी यशवंत धीवर 49 वर्ष सहित अन्य 6 को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन लोगों के पास से तासपत्ती सहित नकदी 1680 रुपए जब्त किया है।

अफीम के साथ एक युवक गिरफ्तार

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी में नशे का कारोबार चला रहे युवक को पकड़ने में पुलिस ने सफलता हासिल की है. श्याम नगर स्थित गुरूनानक चौक के पास अफीम की बिक्री करते युवक को रंगे हाथ पकड़ा गया. आरोपी के कब्जे से 3 किलो 210 ग्राम अफीम के साथ बिक्री रकम 3,23,800 रुपए जब्त किया है। थाना तेलीबांधा पुलिस की टीम को 1 जुलाई को सूचना प्राप्त हुई कि श्याम नगर स्थित गुरूनानक चौक पास एक व्यक्ति अफीम की बिक्री कर रहा है. वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर तेलीबांधा थाना प्रभारी निरीक्षक विनय सिंह बघेल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने व्यक्ति को चिन्हांकित कर पकड़ा। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम सुन्दर सिंह निवासी तेलीबांधा रायपुर बताया, जिसकी तलाशी लेने पर उसके पास कब्जे से लगभग 3 किलो 210 ग्राम अफीम कीमती लगभग 3,20,000 रुपए और बिक्री रकम 3,23,800 रुपए जब्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना तेलीबांधा में अपराध क्रमांक 475/2024 धारा 18 नारकोटिक एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्रवाई की गई.

पब्लिक फीडबैक पर विषेष ध्यान देना आवष्यक, वार्डो में स्वच्छता को लेकर प्रतिस्पर्धा करवाने का महापौर का सुझाव

महापौर ढेबर ने एमआईसी सदस्यों के साथ स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर बैठक ली

रायपुर(समय दर्शन)। आज स्वच्छता सर्वेक्षण के संबंध में नगर पालिक निगम रायपुर के महापौर श्री एजाज ढेबर ने आयुक्त श्री अबिनाष मिश्रा सहित निगम मुख्यालय भवन महात्मा गांधी सदन के तृतील तल सभाकक्ष में नेता प्रतिपक्ष श्रीमती मीनल चैबे, उपनेता प्रतिपक्ष श्री मनोज वर्मा, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्री नागभूषण राव, एमआईसी सदस्य श्री सुंदर लाल जोगी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं पार्षद श्री सूर्यकांत राठौड, पार्षद श्री मृत्युंजय दुबे सहित अपर आयुक्त श्री राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही, स्वच्छ भारत मिषन के कार्यपालन अभियंता श्री रधुमणी प्रधान, सहायक अभियंता श्री योगेष कडु की उपस्थिति में ली । महापौर एवं आयुक्त ने स्वच्छता सर्वेक्षण को रायपुर शहर में नगर पालिक निगम की दृष्टि से सफल बनाने जनप्रतिनिधियों से पब्लिक फीडबैक मिलना आवश्यक है सभी जोनो में स्वच्छता एम्बेसडर की संख्या लगभग 150 है । उन्होने पिछली बार स्वच्छता सर्वेक्षण में अहम भूमिका निभाई है इस संबंध में महापौर ने आयुक्त को सुझाव दिया है कि सभी वार्डों में स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर प्रतिस्पर्धा करवाने की आवश्यकता है, जिससे स्वच्छता में काफी सुधार हो सकता है । महापौर ने सुझाव दिया है कि वार्डो के साथ ही बाजारों, तालाबों स्कूल कॉलेज सभी स्थानों में स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर प्रतिस्पर्धा करवाने की आवश्यकता है, जिससे लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता आने के साथ अपने वार्ड को प्रथम स्थान में लाने हेतु प्रयास किये जायेंगे । सुझाव मांगे । महापौर श्री एजाज ढेबर ने कहा कि पिछले स्वच्छता सर्वेक्षण में रायपुर शहर ने 11 वां स्थान अर्जित किया था । पब्लिक फीडबैक पर हमें अत्यधिक ध्यान देने की आवश्यकता है इसके साथ ही स्वच्छता हेतु चल रही रामकी कंपनी की गाड़ियों में

सरकारी जमीन से प्रशासन ने हटाया अवैध कब्जा

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश के बाद रायपुर जिले में शासकीय जमीनों पर अवैध कब्जा कर अवैध निर्माण करने और उनकी अवैध तरीके से खरीदी-बिक्री पर कार्रवाई तेज हो गई है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के नेतृत्व में राजस्व अमले ने ऐसे प्रकरणों पर बिना देरी के कार्रवाई शुरू की है। आज रायपुर नगर निगम क्षेत्र के सेजबहार में ऐसी एक बड़ी कार्रवाई की गई है। राजस्व अमले ने सेजबहार में मुख्य सड़क के किनारे से लगी लगभग पांच एकड़ सरकारी जमीन को अवैध निर्माण और कब्जे से मुक्त कराया है। इस जमीन पर माना के बनरसी गांव निवासी संतोष डहरिया द्वारा अवैध कब्जा कर अवैध रूप से पक्का निर्माण करने और जमीन की अवैध खरीदी-बिक्री करने की शिकायत स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री जनदर्शन कार्यक्रम में की थी। सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत को श्री साय ने गंभीरता से लिया और इसकी जांच कर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश कलेक्टर रायपुर को दिए थे। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने प्रकरण की जांच का जिम्मा रायपुर एसडीएम और उनके अमले को सौंपा था। राजस्व अमले द्वारा की गई जांच के बाद सेजबहार में मुख्य सड़क से लगी लगभग पांच एकड़ सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा होना पाया गया। इस जमीन पर अवैध कब्जाधारी ने पक्के निर्माण जैसे दुकान आदि भी बना लिए थे। राजस्व अमले को जमीन के अवैध रूप से दूसरे लोगों को बेचने की भी शिकायत मिली थी। सड़क के किनारे होने के कारण खेती-किसानी के इस मौसम में जमीन के पीछे के खेतों तक किसानों को जाने में भी परेशानी और लड़ाई-झगड़ा का सामना करना पड़ रहा था। आज एसडीएम नंदकुमार चौबे, तहसीलदार पवन कोसमा और अतिरिक्त तहसीलदार तुलसी राठौर ने राजस्व अमले के साथ पुलिस की मौजूदगी में जेसीबी मशीनों द्वारा इस भूमि पर अवैध रूप से बनाये गये पक्के दुकाननुमा निर्माण को तोड़ दिया है। इसके साथ ही लगभग पांच-छह लोगों द्वारा कुछ जमीन के कुछ हिस्से पर पोल लगाकर की गई तार फेसिंग को भी हटा दिया गया है। अब इस जमीन से बेजाकब्जा हट जाने से किसानों को भी अपने खेतों तक जाने के लिए आसानी से रास्ता मिल जाएगा और सरकारी जमीन की सुरक्षा भी हो जाएगी।

सांसद पांडेय के बयान पर आपत्ति, भूपेश बघेल ने लिखी स्पीकर को चिट्ठी

महादेव ऐप को लेकर निराधार आरोप लगाने की शिकायत

रायपुर(समय दर्शन)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मंगलवार, दो जुलाई को राजनांदगांव के सांसद संतोष पांडे द्वारा संसद में महादेव ऐप पर दिए गए बयान पर आपत्ति जताई है और इस निराधार बयान की लोकसभा के अध्यक्ष से शिकायत की है. उन्होंने इस बयान के तथ्यहीन होने की शिकायत करते हुए इसे कार्यवाही से हटाने व इस पर कार्रवाई करने का अनुरोध भी किया है. श्री बघेल ने मंगलवार को ही लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला को लिखे पत्र में कहा है कि संसद की परंपरा के अनुरूप ऐसे व्यक्ति पर तथ्यहीन आरोप नहीं लगाना चाहिए जो संसद में मौजूद नहीं है. उन्होंने कहा है कि चूंकि संसद सदस्य संतोष पांडेय ने उन पर निराधार आरोप लगाए हैं तो अध्यक्ष को सांसद से इसके तथ्य पेश करने के लिए भी कहना चाहिए. उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर भाग लेते हुए संतोष पांडेय ने ऑनलाइन सट्टा ऐप 'महादेव ऐप' का ज़िक्र किया था. अपने भाषण में उन्होंने आरोप लगाया था कि पूर्व मुख्यमंत्री छह हज़ार करोड़ के महादेव ऐप का संचालन कर रहे थे। अपने पत्र में श्री बघेल ने अपने कार्यकाल में महादेव ऐप पर हुई कार्रवाई का विवरण भी दिया है. उन्होंने लिखा है, सच तो यह है कि मेरे मुख्यमंत्री रहते हुए ही महादेव ऐप पर क़ानूनी कार्रवाई शुरू हुई. पूरे प्रदेश में 72 एफ़आईआर दर्ज किए गए, 150 से अधिक लोगों को गिरफ़्तार किया गया, सैकड़ों बैंक खाते सील हुए और मोबाइल फ़ोन आदि ज़ब्त किए गए. पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा है, महादेव ऐप चलाने वाले लोगों के खिलाफ लुक-आउट नोटिस हमारी सरकार ने जारी किया और हमने ही केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि महादेव ऐप के संचालकों को विदेश से गिरफ़्तार कर लाया जाए जिससे जांच आगे हो सके. 'गूगल प्ले स्टोर' से महादेव ऐप को हमारी सरकार की पहल पर हटाया गया. संसद की परंपराओं का हवाला देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि माननीय संसद सदस्य संतोष पांडेय के निराधार आरोपों से उनकी राजनीतिक छवि को नुक़सान पहुंचाने की कोशिश की गई है.

उप मुख्यमंत्री अरुण साव से मिले यूनिसेफ के जूनियर चीफ विलियम हेनलोन

रायपुर(समय दर्शन)। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव से आज उनके निवास कार्यालय में यूनिसेफ छत्तीसगढ़-ओड़िशा के जूनियर चीफ श्री विलियम हेनलोन ने सौजन्य मुलाकात की। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने उन्हें छत्तीसगढ़ में जल जीवन मिशन और अन्य विकास कार्यों की जानकारी दी। श्री साव और यूनिसेफ की टीम के बीच जल और इससे जुड़ी परियोजनाओं के क्रियान्वयन में कार्पोरेट सेक्टर की सहभागिता के लिए 'जल कोष' के गठन के संबंध में चर्चा हुई। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने श्री विलियम हेनलोन और उनकी टीम के सदस्यों वॉश एंड क्लाइमेट स्पेशिलस्ट सुश्री श्वेता पटनायक तथा वॉश प्रोग्राम ऑफिसर सुश्री बिरोजा सतपथी को छत्तीसगढ़ के विकास के लिए यूनिसेफ द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों में राज्य शासन द्वारा पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने राज्य के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर साझा प्रयासों के बारे में भी चर्चा की।

नए भारत के लिए अंग्रेजी कानून का बदलना जरुरी : प्रदीप शर्मा

रायपुर(समय दर्शन)। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में भारत और न्याय संहिता विषय पर व्याख्यान आयोजित हुआ। जिसमें देश में लागू हुए तीन नए कानूनों के ऊपर विस्तृत चर्चा हुई। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए दूरदर्शन के पूर्व निर्देशक प्रदीप शर्मा ने नए कानून के सभी प्रावधानों के बारे में बताते हुए कहा कि अंग्रेजी कानून का बदलाव नए भारत के लिए जरूरी है। इस नए कानून के तहत भविष्य में आतंकवाद को नए ढंग से परिभाषित किया जा सकता है। अपने अनुभवों के आधार पर कानून की बारीकियों की जानकारी रखने के साथ साथ फील्ड में लोगों से डील करने की निपुणता में दक्ष होने का मंत्र दिया। प्रभारी कुलसचिव डॉ. नरेंद्र त्रिपाठी ने अंग्रेजी राज की कानून व्यवस्था को बदलकर भारतीय न्याय संहिता के रूप में परिवर्तित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आज से यह कानून पूरे देश में लागू हो गया है। इस कानून से पीड़ित के अलावा जो निर्दोष हैं उन्हें भी न्याय प्राप्त करने का अवसर प्राप्त होगा। साथ ही कानूनी पेचीदगियों और समय की बर्बादी से भी लोग बच पाएंगे। डिजिटल तरीके से साक्ष्य जुटाने की मुहिम में मीडिया और पत्रकार और अधिक सशक्त होंगे। इस कानून से जो न्याय है वही महत्वपूर्ण है यह बात स्पष्ट होता है। उपकुलसचिव सौरभ शर्मा ने बताया कि दंड न देकर न्याय को केंद्र में रखना इस नए कानून की मूल भावना है। आज देश नागरिकों के केन्द्रीयकरण की ओर बढ़ रहा है। दंड संहिता को बदलकर न्याय संहिता करना नागरिकों के हितों की रक्षा करेगा। कार्यक्रम की चर्चा परिचर्चा के दौरान कुछ विद्यार्थियों ने अपनी बात रखी। जिसमें अंजली शर्मा ने कहा कि इस कानून से लिंग आधारित अपराध में मिलने वाले न्याय व सुरक्षा में व्यापक वृद्धि होगी।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी नई दिल्ली में संसद के चल रहे सत्र में भाग लेने के बाद निकलते हुए।

स्कूल जतन योजना से आकर्षक बन रहे गांवों के स्कूल

रायपुर(समय दर्शन)। शहरों के साथ-साथ गांवों के भी स्कूल अब आकर्षक बनते जा रहे हैं। नए शिक्षा सत्र शुरू होने के साथ नौनिहालों को बेहतर शैक्षणिक परिवेश दिलाने स्कूलों का कायाकल्प किया जा रहा है। महासमुंद, कांकेर, सरगुजा और राजनांदगांव जिले में एक हजार 991 स्कूलों का जीर्णोद्धार किया जा चुका है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हाल ही में शिक्षा विभाग के समीक्षा बैठक के दौरान सभी कलेक्टरों को अपने जिलों में स्कूलों की मरम्मत और जीर्णोद्धार के कार्य जल्द पूर्ण कराने के निर्देश दिए थे। उनके निर्देश के बाद सभी जिलों में स्कूलों की मरम्मत और जीर्णोद्धार के कार्य में तेजी आई है। स्कूलों को आकर्षक ढंग से भी सजाया जा रहा है। मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के अंतर्गत किए जा रहे जीर्णोद्धार में प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक, हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी स्कूलों में पक्की छत, कक्षाओं में टाईल्स और शाला परिसर में पेवर ब्लॉक के साथ रंगरोगन का कार्य किए जा रहे है। इन स्कूलों में ज्ञानवर्धक और कलात्मक चित्रकारी भी की जा रही है। स्कूलों में आवश्यकतानुसार अतिरिक्त कक्ष आदि बनाए जा रहे हैं। नए शिक्षा सत्र प्रारंभ होने के साथ ही स्कूलों में शाला प्रवेश उत्सव भी मनाएं जा रहें हैं। शालाओं में मरम्मत और जीर्णोद्धार होने से छात्रों एवं पालकों का रूझान भी इन विद्यालयों के प्रति बढ़ा है। विद्यालयों का कायाकल्प करने व आकर्षक बनाने की वजह से पालक अपने बच्चों को इन स्कूलों में दाखिला करा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में महिलाओं के लिए खुलेगा पिंक थाना : विजय शर्मा

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में विभागीय बैठक में महिला पिंक थाने शुरू करने की तैयारियों की समीक्षा की।

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी जिला मुख्यालयो में महिला पिंक थाने खुलेंगे। इस संबंध में विभागीय तैयारी की जा रही है। इसके लिए कार्य योजना तैयार की जा रही है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में विभागीय बैठक में महिला पिंक थाने शुरू करने की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यह थाने महिलाओं के लिए सुरक्षित और सहयोगात्मक वातावरण सुनिश्चित करने के लिए स्थापित किए जाएंगे। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 258 सड़कों की प्रगति की समीक्षा की। ये सड़कें पिछले 5-6 वर्षों से माओवादी गतिविधियों और सुरक्षा के अभाव में अपूर्ण थीं। उन्होंने इन सड़कों को जल्द से जल्द पूर्ण करने के लिए जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने स्व सहायता समूहों के उत्पादों की ब्रांडिंग और मार्केटिंग के लिए ऑनलाइन प्लेटफार्म पर अपलोड करने और स्वयं का भी एप्लिकेशन बनाने कहा। उन्होंने रीपा में मुख्य सचिव के नेतृत्व में गठित समिति की जांच के बारे में जानकारी ली और स्व सहायता समूहों के भुगतान की स्थिति की भी समीक्षा की। बैठक में अधिकारियों को सीजीआईटी के अगले शिक्षण सत्र से प्रारंभ के लिए आवश्यक तैयारी शीघ्र पूरी करने और नोडल अधिकारी की नियुक्ति के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना के आवासों को तेजी पूर्ण कराने के लिए राजमिस्त्रियों के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि इस ट्रेड को प्रशिक्षण में शामिल किया जाए। ऐसे आईटीआई जहां मेशन ट्रेनिंग के लिए पद नहीं है, ववहां मेहमान प्रवक्ता से प्रशिक्षण का कार्य करवाया जाए। उन्होंने शासकीय आदर्श आईटीआई कोनी बिलासपुर की मरम्मत पर भी आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने बैठक में जनमन योजना के तहत बन रहे प्रधानमंत्री आवास, मानव दिवस सृजन, प्रत्येक ग्राम पंचायत में अमृत सरोवर, महतारी सदन, और तीन हजार से अधिक जनसंख्या वाले ग्राम पंचायतों में मास्टर प्लान बनाने, हमर छत्तीसगढ़ योजना को पुन: शुरू करने सहित विभिन्न कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा ऋण अनुदान योजना को पुन: शुरू करने और विभाग में लंबित अनुकंपा नियुक्ति और पेंशन मामलों का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने छत्तीसगढ़ रोजगार ऐप के प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए, जिससे कभी भी, कहीं से भी रोजगार सहायता हेतु पंजीयन, नवीनीकरण और अपडेशन का कार्य ऑनलाइन किया जा सके।

संपादकीय

सरकार की नीतियों और कामकाज का उल्लेख

भारत के संसदीय लोकतंत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण की परंपरा वर्षों पुरानी है। संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक, लोक सभा के प्रत्येक आम चुनाव के बाद, पहले सत्र में सदस्यों के शपथ ग्रहण करने और सदन का अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद राष्ट्रपति दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करता है। यह अभिभाषण सरकार का नीति वक्तव्य होता है। इसमें सरकार की नीतियों और कामकाज का उल्लेख रहता है, इसलिए सरकार के द्वारा ही इसके मसौदे को तैयार किया जाता है। परंपरा तो यह रही है कि इस सबसे गरिमापूर्ण औपचारिक कार्यवाही के दौरान विपक्ष शांतिपूर्ण ढंग से इसे सुनता है। अभिभाषण के बाद जब सदन में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होती है तो विपक्षी सांसदों को अपनी आपत्तियों और असहमतियों को दर्ज कराने का अवसर मिलता है लेकिन देखा जा रहा है कि कुछ वर्षो से राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान विपक्षी दलों के सांसद सदन में शोरगुल करते हैं और हंगामा बरपाते हैं। अठारहवीं लोक सभा में जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दोनों सदनों को संबोधित करते हुए मोदी सरकार के पिछले दस वर्षो के कामकाज और उपलब्धियों का जिक्र किया तो विपक्षी दलों के सांसदों ने सदन में शोरगुल मचाना शुरू कर दिया। राष्ट्रपति को निवेदन करना पड़ा कि वे शांतिपूर्ण ढंग से उनके अभिभाषण को सुनें। राष्ट्रपति मुर्मू ने इस समय के सबसे ज्वलंत राष्ट्रीय मुद्दे के रूप में पेपर लीक की घटनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने पेपर लीक की घटनाओं को बहुत गंभीरता से लिया है और इसे रोकने के लिए कड़े उपाय कर रही है। जाहिर है कि पेपर लीक का मामला सीधे-सीधे देश के छात्र-छात्राओं के भविष्य के साथ जुड़ा हुआ है। निश्चित रूप से सरकार को ऐसे सख्त कदम उठाने चाहिए कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। राष्ट्रपति ने युवाओं की बात को आगे बढ़ाते हुए जब यह कहना शुरू किया कि सरकार की कोशिश है कि देश के युवाओं को अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर मिले तो उनके इतना भर कहने पर विपक्ष के सदस्यों ने सदन के अंदर हंगामा करना शुरू कर दिया। उन्होंने पच्चीस जून, 1975 को देश की जनता पर आपातकाल थोपे जाने की घटना को संविधान और लोकतंत्र पर बड़ा हमला बताया। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी असंवैधानिक ताकतों पर देश ने विजय हासिल की क्योंकि भारत के मूल्यों में गणतंत्र की ही परंपराएं हैं।

खतरनाक लोग एक-दूसरे के करीब

श्रुति व्यास

दुनिया बदल रही है, पलट रही है और युद्धों में उलझ रही है। वही वह प्रजातंत्र और उसकी भाषा से दूर खिसक रही है। नतीजतन %राईट% (दक्षिणपंथ) को %राईट% (सही) साबित करने पर आमादा है। पुराने दोस्त, दोस्ती का लबादा ओढ़े जहां दुश्मनी निभा रहे हैं तो पुराने दुश्मनों में गलबहियां हो रही हैं। दुनिया के लिए, हम सबके लिए, खतरनाक लोग एक-दूसरे के करीब आ रहे हैं। उनकी सोच और इरादे एक से हैं इसलिए वे दोस्त बन नए गठबंधन बना रहे हैं। बुधवार की सुबह आप सब अपने मोबाइल की स्क्रीन पर देख सकेंगे कि एक से डीलडौल वाले उन दो उम्रदराज लोगों को, जो सोच और मिजाज़ में एक से हैं। तब उनके चेहरे और उनकी आँखें चमक रही होंगी। वे या तो एक दूसरे से गर्मजोशी से हाथ मिला रहे होंगे या गले मिल रहे होंगे। उनके नख से शिख तक दुष्टता टपक रही होगी। पश्चिम और सारी दुनिया के लिए उनका एक ही सन्देश होगा, हम से बच कर रहो। कल व्लादिमीर पुतिन अपने अज़ीज़ दोस्त, अपने प्यारे भाई की धरती प्योंगयांग पर होंगे। पुतिन पिछले 24 सालों में पहली बार उत्तर कोरिया जा रहे हैं। जाहिर है कि रूसी तानाशाह के शानदार स्वागत करने में उत्तर कोरिया का तानाशाह कोई कोरकसर बाकी नहीं रखेंगा। किम योंग यह नहीं भूले होंगे कि रूस की उनकी दो पिछले यात्राओं के दौरान पुतिन ने उनके लिए लाल कालीन बिछाया था। दोनों नेताओं को एक-दूसरे से जोडने वाला एक तार है। और यह तार उन्हें एक दूसरे का पूरक भी बनाता है। दोनों खलनायक हैं और इसलिए दोनों में अच्छी पटेगी। दूसरे, दोनों दुनिया से अलग-थलग है। इसलिए अपने अकेलेपन को दूर करने में एक-दूसरे के मददगार बन सकते हैं। दुनिया दोनों पर तरह-तरह के प्रतिबन्ध लगा कर परेशान कर रही है। ऐसे में भला वे मिलकर पलटवार क्यों न करें? उत्तर कोरिया में रूस के राजदूत एलेग्जेंडर मात्सगोर ने शायद भविष्य को ध्यान में रख कर ही कहा है कि यह साल दोनों देशों के बीच भागीदारी के नए आयाम स्थापित करेगा। पुतिन की यात्रा, नए आयाम कायम करने की दिशा में पहला कदम है। क्रेमलिन द्वारा जारी एक नोट के अनुसार, दोनों नेता एक दूसरे के साथ अनौपचारिक बातचीत में काफी समय बिताएंगे। वे दोनों देशों पर पश्चिम द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों से निपटने के तरीकों और सुरक्षा व अर्थव्यवस्था के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा करेंगे। दोस्ती के सारे नाटक के बावजूद, सच यह है कि दोनों देश एक-दूसरे को फूटी आँखों नहीं सुहाते। मगर इन दोनों के बीच बढ़ता भाईचारा दुनिया के लिए महत्वपूर्ण है और खतरे की घंटी भी। महत्वपूर्ण इसलिए क्योंकि जहाँ रूस से लड़ाई जारी रखने के लिए यूक्रेन को हथियार आदि सप्लाई करने के मुद्दे पर पश्चिम के खेमे में विवाद और मतभेद हैं, वहीं उत्तर कोरिया, रूस के भाई की भूमिका बहुत अच्छे से निभा रहा है। यह दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण मगर सच है कि किम जोंग अपने बड़े भैया पुतिन की हर तरह से मदद कर रहे हैं ताकि वे युद्ध लड़ते रहें और युद्ध का इलाका बढाते रहें। उत्तर कोरिया ने सोवियत संघ के दौर की तोपों और टैंकों में इस्तेमाल होने वाले दसियों लाख गोला-बारूद रूस को उपलब्ध करवाए हैं। साथ ही उसने रूस को बैलिस्टिक मिसाइलें और युद्ध में काम आने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी निर्यात किये हैं। इससे यूक्रेन में रूस के सैन्य अभियान को मदद मिली है। उत्तर कोरिया की केन्द्रीय न्यूज़ एजेंसी के लिए लिखे गए एक लेख में पुतिन ने किम और उत्तर कोरिया की तारीफों के पुल बांधे हैं। उन्होंने कहा है कि उत्तर कोरिया, यूक्रेन में युद्ध में मजबूती से रूस के साथ खड़ा है।

हिन्दू होने का गर्व करो, विश्व में बढ़ रही है हिन्दुत्व की स्वीकार्यता

बृजनन्दन राजू

जब कोई व्यक्ति अपने पूर्वजों के बारे में लज्जित होने लगे तब समझ लो कि उसका अंत आ गया। सबको अपने पूर्वजों पर गर्व होना ही चाहिए। हिन्दू तो उन महान ऋषियों के वंशज हैं जो संसाद में अद्धितीय रहे हैं। इसलिए उन्हें हिन्दू होने का गर्व है और होना भी चाहिए। सम्पूर्ण विश्व पर हिन्दू समाज का महान ऋण है। सम्पूर्ण विश्व में हिन्दू ही एक ऐसी जाति है जिसने कभी किसी पर आक्रमण नहीं किया। हम दुनिया में शांति व सौहार्द का संदेश लेकर गये। हमने किसी को अपना गुलाम नहीं बनाया। दुनिया की पीड़ित मानवता को हिन्दुओं ने ही गले लगाया। ऐसे सर्वे भवन्तु सुखिनाः सर्वे सन्तु निरामयः और वसुधैव कुटुम्बकम की भावना रखने वाले हिन्दू समाज को हिंसक बताया जा रहा है। हिन्दू समाज भी इतना उदार व सहनशील है कि वह भी अपने ऊपर लगने वाले आरोपों को सहन करता जा रहा है। यह स्थिति वास्तव में हिन्दू समाज के लिए आत्मघाती है।

स्वामी विवेकानन्द जी कहते थे कि तभी और केवल तब ही तुम हिन्दू कहलाने के अधिकारी हो जब इस नाम को सुनते ही तुम्हारी रगों में शक्ति की विद्युत तरंग दौड़ जाये। हम अहिंसा के पुजारी जरूर हैं लेकिन हमारे शास्त्रों का यह भी आदेश है कि यदि कोई तुम्हारे गाल पर थप्पड़ मारे और तुम उसका जवाब दस थप्पड़ों से न दो तो तुम पाप करते हो। हिन्दुस्थान का प्राण हिन्दू धर्म है। यदि हिन्दू धर्म पर आघात होगा तो वह राष्ट्र पर आघात माना जायेगा। इसलिए हिन्दुओं को अपने शौर्य को प्रकट करने की जरूरत है।

राहुल गांधी का नेता प्रतिपक्ष के तौर पर पहला भाषण झूठ, निराशा और तथ्यहीन बातों से भरा हुआ था। राहुल गांधी ने अपने भाषण में न केवल संसदीय गरिमा को तार–तार किया बल्कि हिंदुओं को हिंसक, नफरती और झूठा बताकर हिन्दू समाज को अपमानित करने का काम किया है। इसकी जितनी भी निंदा की जाय, कम है। इस कृत्य के लिए राहुल गांधी को अविलंब माफी मांगनी चाहिए।

वैसे इसके लिए राहुल गांधी को दोष देना ठीक नहीं है। क्योंकि उनको वही संस्कार ही मिला है। भारत की प्रकृति संस्कृति का उन्हें ज्ञान हीं नहीं है। राहुल गांधी के पास स्वयं की चिंतन प्रतिभा कुछ है नहीं। कम्युनिस्ट व मैकाले पुत्रों की बुद्धि के आधार पर वह बोलते व आचरण करते हैं। कांग्रेस की संस्कृति शुरू से विघटनकारी रही हैं। वह हमेशा समाज को बांटने में विश्वास करती है। कांग्रेस कई बार टूटी, कई दल बने लेकिन उनका मूल स्वभाव यथावत है। भारत विभाजन से लेकर आज तक कांग्रेस की कार्य संस्कृति में बदलाव नहीं आया है। महात्मा गांधी की चलती तो कांग्रेस समाप्त हो गयी होती। लेकिन गांधी के नाम का उपयोग करने वाले राहुल गांधी महात्मा गांधी का भी अपमान कर रहे हैं जिन्होंने कहा था हिन्दुत्व सत्य की अनवरत खोज का ही दूसरा नाम है। 24 जनवरी 1948 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने कहा था कि हमें अपनी उस विरासत और अपने उन पूर्वजों पर गर्व है जिन्होंने भारत को बौद्धिक एवं सांस्कृतिक श्रेष्ठता प्रदान की।

वैसे हिन्दुओं पर आक्षेप लगाना कांग्रेस की पुरानी आदत है। सदन में राहुल गांधी ने स्पष्ट कहा है कि जो लोग अपने आपको हिंदू कहते हैं वो 24 घंटे हिंसा-हिंसा-हिंसा, नफरत-नफरत-नफरत, असत्य-असत्य-असत्य की बात करते हैं। इससे राहुल गांधी की मंशा जाहिर होती है। जबकि सच्चाई सबको पता है कि 1984 में सिखों का नरसंहार किसने किया था। 1975 में आपातकाल किसने लगाया था। सच्चाई ये है कि संतों पर गोलियां किसने चलवाई थी? 2010 में तत्कालीन गृहमंत्री पी चिदंबरम ने हिंदुओं को आतंकवादी कहा था। 2013 में पूर्व गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे ने भी हिंदुओं को आतंकवादी बताया था। 2021 में राहुल गांधी ने हिन्दुत्ववादियों को देश से बाहर निकालने को कहा था और आज सम्पूर्ण हिंदुओं को असत्यवादी और हिंसक कहा। राहुल गांधी ने पहले भी कहा था कि मंदिर जाने वाले लड़कियों को छेड़ते हैं। संसद की बहस के दौरान ईश्वर के चित्रों को सामने रखना और राजनीति को इससे जोड़ना एक नेता प्रतिपक्ष को शोभा नहीं देता।

हिन्दू संस्कृति विजय की उपासक है, पराजय की नहीं। हमारे यहां किसी धर्म संस्थापक को फांसी देने का उदाहरण नहीं है। क्या हमारे प्रभु श्रीरामचन्द्र जी या योगेश्वर श्रीकृष्ण का पराभव किसी ने देखा या सुना है। जिनकी हम पूजा करते हैं वह कभी पराभूत नहीं हुए।

यह हिन्दू धर्म पर आक्षेप है। इसे सहन नहीं बल्कि अपने धर्म की रक्षा के लिए डट जाने का समय है। धर्म के प्रति हमारे हिन्दू भाईयों की श्रद्धा कहां चली गयी। संसद में खड़े होकर राहुल गांधी हिन्दू धर्म को हिंसक कहते रहे और हमारे सांसदों ने उन्हें बोलने दिया। वहीं दूसरे दिन जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भाषण करने खड़े हुए तो पूरे भाषण के दौरान विपक्षी सांसदों ने हंगामा किया। विपक्ष की यह संस्कृति किसी भी लोकतांत्रिक देश के लिए ठीक नहीं है। अगर अभी हम नहीं चेते तो हमारी आगे आने वाला समय और भयावह होने वाला है। हिन्दू शांतिप्रिय है। इसका मतलब यह नहीं है कि वह चुपचाप गाली सहन करता रहेगा। सहने की भी एक सीमा होती है। हिन्दुओं ने हिंसा फैलाने का काम कभी किया ही नहीं। हिन्दू समाज जिस दिन हिंसक हो जायेगा उस दिन भारत में राहुल गांधी जैसे दोगले नेताओं को पैर रखने की भी जगह नहीं मिलेगी। अनेक आपत्ति-विपत्तियों को सहकर भी हिन्दू जाति आज भी जीवित है। भगिनी निवेदिता ने कहा कि हिन्दू धर्म एक ऐसे समाज का धर्म है जो कभी बर्बर नहीं बना। ज्ञान एवं शिक्षा के साथ कभी विरोध नहीं रहा। यदि नेता का आचरण और व्यवहार ठीक नहीं है तो उसे स्वीकार्यता नहीं मिल सकती। नेता की विशेषता होती है कि वह भिन्न मत रूचि व विचार और प्रवृत्ति के लोगों को उनकी भावनाओं के आधार पर एकत्र रख सके। वह व्यक्ति नेता कभी नहीं बन सकता जिसके मन में हिन्दुओं के प्रति ईर्ष्या है। अगर हिन्दू समाज हिंसक होता तो राहुल गांधी जैसे नेता हिन्दुओं को हिंसक बोलने की हिम्मत ही नहीं जुटा पाते। यह हिन्दुओं को उत्तेजित करने और समाज को बांटने का प्रयास है। हिन्दू समाज उनके मंसूबों से वाकिफहै। हम सब एक हैं। सभी हिन्दू भाई–भाई हैं। वैसे राहुल गांधी के इस बयान से यह स्पष्ट हो गया है कि वह विपक्ष के नेता बनने की काबिलियत नहीं रखते। बात शांति से नहीं बनी तो कुरूक्षेत्र भी झेला है। शिव हैं हम लेकिन शंकर बन, रौद्र रूप भी धारा है।

जिन्हें भारत की एकता अखण्डता व समृद्धि नहीं सुहाती। वह हमारी राष्ट्रीय एकता और आपपसी सदभाव बिगाड़ने का प्रयत्न करते हैं। इस प्रकार का कृत्य स्वामी विवेकानन्द, महर्षि अरविन्द व लोकमान्य तिलक का अपमान किया है। धर्म आधारित राजनीति का ही भारत में सम्मान था। निष्ठाहीन राजनीति समाज का भला नहीं कर सकती। कांग्रेस के नेता भारत माता की जय और वंदे मातरम बोलने से भी परहेज करते हैं। भूमि को माता के समान देखने की दृष्टि हमें वेदों से मिली है। जिन्होंने कहा माता भूमि पुत्रोहम पृथिव्याः।

आज विश्व में हिन्दुत्व की स्वीकार्यता बढ़ रही है। लेकिन भारत की संसद में आक्रोश दिखता है। हिन्दू शब्द सुनते ही कुछ लोगों को बेचैनी होने लगती है। वह हिन्दू होने का अर्थ नहीं जानते। आज हिन्दू और हिन्दुत्व को लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है। विविधता में एकता हिन्दू की विशेषता है।

हिन्दू किसी से द्वेष, वैर अथवा घृणा नहीं करता। ईश्वर अंश जीव अविनाशी। गीता में भगवान कृष्ण कहते हैं कि अद्वेष्टा सर्वभूतानां मैत्रः करूणा एव च। अर्थात जब सभी के अंदर ईश्वरानुभूति होती है तब सभी प्राणियों के प्रति द्वेषभाव समाप्त होकर मित्रता, करूणा तथा प्रेम विकसित होता है। परोपकारायः पुण्याय पापाय परपीड़नम। गोस्वामी तुलसीदास ने भी कहा है कि परहित सरिस धर्म नहिं भाई। एकं सत विप्रा बहुधा वदन्ति। ऐसा जो मानते हैं वह हिन्दू हैं। इसलिए सर्वग्राही हिन्दू समाज पर लांछन लगाना पाप है।

संसद में कांग्रेस का हिंदू व संविधान विरोधी चेहरा बेनकाब हुआ

मृत्युंजय दीक्षित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग गठबंधन सरकार के तीसरे कार्यकाल के प्रथम संक्षिप्त संसद सत्र का समापन हो चुका है। नियमानुसार इस सत्र में माननीय राष्ट्रपति जी ने लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों को संयुक्त रूप से संबोधित किया। ये सत्र विपक्ष और मुख्यत: कांग्रेस के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण था। दस वर्षों के बाद कांग्रेस को नेता प्रतिपक्ष बनने का अवसर मिला है। संसदीय परम्परा में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद एक बहुत ही जिम्मेदरी का पद होता है और कांग्रेस ने ये जिम्मेदारी अपने नेता राहुल गांधी को दी। राजनैतिक विश्लेषकों का अनुमान था कि अब राहुल गांधी एक सदन के अंदर और बाहर एक परिपक्व राजनेता की तरह व्यहार करेंगे विभिन्न मुद्दों पर गम्भीरता के साथ बहस करेंगे, समस्याओं के उचित समाधान की बात करेंगे किंतु दस वर्षों के बाद भी 99 सीट लेकर नेता प्रतिपक्ष बने राहुल गांधी ने अपने पहले ही भाषण और पहले ही सत्र के आचरण से न केवल देश को निराश किया अपितु कांग्रेस के वास्तविक शुभ चिंतकों में भी निराशा दिखी।

सर्वप्रथम राहुल गांधी और उनके नये मित्र सपा नेता सांसद अखिलेश यादव ने शपथ ग्रहण के दौरान क्रमश: लाल व नीले रंग के कवर वाली संविधान की प्रति हाथ में लेकर बता दिया कि आगामी दिनों में वह झूठे नैरेटिव वाली राजनीति करने जा रहे हैं। बाद में उनके सांसदों ने भी उनकी नीति का अनुसरण किया।वरिष्ठ और पढ़े लिखे माने जाने वाले कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी जय संविधान का नारा लगाया। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी चुनावी मोड में ही रहे और बिना तथ्यों का वही भाषण दिया जो वो अपनी चुनावी रैलियों में दिया करते थे। अंतर इतना ही हुआ कि सदन के अन्दर भाषण देते हुए वो इतने उत्तेजित हो गए कि भाजपा व संघ पर हमला करने के प्रयास में संपर्ण हिंदू समाज को ही हिंसक कह बैठे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बहुत ही उन्मादी तरीके से कहा कि जो लोग खुद को हिंदू कहते हैं वह लोग चौबीसों घंटे केवल हिंसा करते हैं, नफरत फैलाते हैं और झूठी बाते करते हैं। यही नहीं राहुल गांधी अपने भाषण के दौरान भगवान शिव जी की एक तस्वीर को बार -बार सदन के अंदर दिखाते थे और फिर उसे उल्टा रख देते थे ऐसा उन्होंने संसद में कई बार किया। इतना ही नहीं उन्होंने शिव जी और उनकी अभय मुद्रा की अद्भुत व्याख्या तक कर डाली, ऐसा करके राहुल गांधी ने न सिर्फ भगवान शिव का अपमान किया अपितु भारत की मूल आत्मा व संविधान के सभी नियमों का भी घोर उल्लंघन करते हुए अपने 18 प्रतिशत मुस्लिम वोट बैंक को प्रसन्न करने के लिए 100 करोड़ से अधिक हिन्दू जनमानस व उनकी आस्था का घोर अपमान कर डाला।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अविलम्ब संज्ञान लेकर इसका विरोध दर्ज कराया और कहा कि यह एक बहुत ही गम्भीर मामला है। संसद में ही किसी धर्म को हिंसक कहना एक बहुत बड़ा अपराध है और संविधान विरोधी कृत्य है। राहुल गांधी का यह हिन्दू विरोधी बयान सामने आते ही संपूर्ण भारत के हिंदू समाज में आक्रोष की स्वाभाविक लहर दौड़ गई। संपूर्ण भारत में राहुल गांधी व कांग्रेस के विरोध में प्रदर्शन हुए। राहुल गांधी के पोस्टरों पर कालिख पोती गई। राहुल गांधी भगवान शिव का चित्र लहराते समय यह भूल गये कि भगवान शिव के प्रति हिंदू जनमानस में गहरी आस्था है । भगवान शिव का दर्शन किया जाता है उनका प्रदर्शन नहीं किया जाता है। ऐसा प्रतीत होता है राहुल गांधी का भाषण कांग्रेस के भीतर गहरे तक जड़ जमाए हिन्दू घृणा का प्रस्फुटन था। राहुल गांधी का यह भाषण हिन्दुओं के विरुद्ध बड़े षड्यंत्र का संकेत दे रहा है जिसका उल्लेख प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में इसका कड़ा प्रतिकार करते हुए किया और यह भी कहा कि कहा यह देश इन बातों को लम्बे समय तक भूलने वाला नही है। वस्तुत: राहुल गांधी का भाषण कहीं न कहीं चर्च से प्रेरित लगता है क्योंकि चर्च व उसकी प्रार्थना सभाओं में भी हिन्दुओं को सनातन से दूर ले जाने के लिए इसी प्रकार की हरकतें की जाती हैं। कांग्रेस व इंडी गठबंधन के नेताओं ने लोकसभा चुनावों के दौरान व उसके पूर्व से ही हिन्दुओं के विरुद्ध घृणा भरा अभियान चलाया था। कांग्रेस सहयोगी द्रमुक ने हिन्दुओं की तुलना डेंगू, मलेरिया से की थी और हिन्दुओं के पूरी तरह उन्मूलन करने की बात कही थी और कांग्रेस व गांधी परिवार द्रमुक नेताओं के पीछे खड़ा होकर उन्हें शक्ति दे रहा था द्रमुक नेता लोकसभा चुनावों के पहले जो बयान दे रहे थे उसके लिए उन्हें कांग्रेस के गांधी परिवार का ही संरक्षण प्राप्त था। राहुल गांधी के हिन्दू विरोधी बयानों का बिहार के तेजस्वी यादव और महाराष्ट्र के उद्धव ठाकरे जैसे नेता समर्थन कर रहे हैं, इसमें तेजस्वी यादव के साथ राहुल गांधी सावन के महीने में मछली ड्रमटन की दावत का प्रदर्शन करके हिन्दू समाज को चिढ़ाने का कार्य करते हैं।

राहुल गांधी को समझना चाहिए कि हिंदू समाज हिंसक होता तो वो सदन में खड़े होकर ऐसे अपशब्द नहीं बोल पाते। हिंदू समाज सदा से सहिष्णु रहा है और यही कारण रहा है कि आज भी भारत में लोकतांत्रिक परम्परायें और मूल्य जीवित हैं। यह हिन्दू समाज का धैर्य है कि राहुल गांधी सदन में खडे होकर समस्त हिंदू समाज को हिंसक कहने का साहस जुटा पा रहे हैं और हिन्दुओं के आराध्य भगवान शिव का अनादर कर रहे हैं। राहुल गांधी की हरकतों से आज संपूर्ण हिंदू समाज उसी प्रकार आहत है जैसे कांग्रेस के भगवान राम काल्पनिक कहने के समय था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह कहना बिल्कुल सत्य है कि हिन्दू जनमानस को यह देखना होगा कि यह एक संयोग है या फिर कोई खतरनाक प्रयोग किया गया है। हिन्दुओं से घृणा ही कांग्रेस का इतिहास है। वो सदा ही हिंदुओं को द्वितीय श्रेणी का नागरिक मानती रही है। वर्ष 2010 में तत्कालीन गृहमंत्री पी. चिदम्बरम ने हिंदुओं को आतंकवादी कहा था, वहीं 2013 में उस समय के गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे ने इसी बात को दोहराया था। राहुल गांधी ने 2021 में कहा था कि हिंदुत्ववादियों को देश से बाहर निकाल देना चाहिए। मुंबई हमलों में तो कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को बदनाम ही कर डाला था। कांग्रेस के एक और पूर्व गृहमंत्री शिवराज पाटिल ने एक बार गीता पर बयान देते हुए कहा था कि यह पुस्तक हिंसा और नफरत सिखाती है। राहुल गांधी ने तो समस्त धार्मिक हिन्दुओं पर लांछन लगाते हुए कहा था कि लोग मंदिरों में लड़कियां छेड़ने के लिए जाते हैं।

संकर मजहब वाले राहुल गांधी को संभवत: यह पता नहीं है कि हिन्दुत्व भारत की आत्मा है। हिन्दुत्व विश्व बंधुत्व का पोषक है। हिन्दुओं को हिंसक कहना कांग्रेस की हिन्दुओं के प्रति घृणा का साक्ष्य है। हिंदू समाज पूरे विश्व में अपनी सहनशीलता और सज्जनता के लिए जाना जाता है। हिंदुओं ने हमेशा शांति का पाठ पढ़ा और पढ़ाया है। हिंदू धर्म ने अपने प्रचार प्रसार के लिए कभी भी कहीं भी किसी ने हिंसा, घृणा और असत्य का सहारा नहीं लिया है। हिंदू धर्म तो प्रत्येक जीव में समान ईश्वरीय चेतना देखता है, यहां तक कि पेड़ङ्कपौधों नदी पर्वत की भी पूजा की जाती है। हिंदू धर्म में सदा धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो, प्राणियों में सद्भावना हो और विश्व का कल्याण होका उद्घोष किया जाता है। ऐसा धर्म हिंसक कैसे हो सकता है?

राहुल गांधी एक बड़े षड्यंत्र के तहत हिंदुओ को हिंसक सिद्ध करने का आधार तैयार कर रहा है। राहुल गांधी ने संसद के अंदर और वह भी राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में हिंदू समाज को हिंसक कहा है जो पूर्णतया अक्षम्य है। राहुल गांधी परोक्ष रूप से गजवा-ए-हिंद के लिए जमीन तैयार कर रहा है। यहां पर यह बात ध्यान देने योग्य है कि केरल में पीएफ्आई कांग्रेस का समर्थन कर रही है और वायनाड में पीएफ्आई ने राहुल गांधी का समर्थन किया था। द्रमुक और कांग्रेस साथी हैं। पश्चिम बंगाल में जगह जगह शरिया कोर्ट लगवाने वाली ममता कांग्रेस के साथ हैं। राहुल गांधी का यह बयान हिंदुओं के विरुद्ध हिंसा के इरादे की घोषणा है। चुनाव परिणाम आने से पूर्व ही राहुल गांधी ने देश में आग लगाने की बात कही थी और एक बार फिर अपने सदन के संबोधन के माध्यम से एक प्रकार फिर हिंदू विरोधी ताकतों को एकत्र करने का प्रयास किया है। हिंदुत्व के पुरोधा नरेन्द्र मोदी जी ने लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को लगातार तीसरी बार पराजित किया है यह बात गांधी परिवार स्वीकार नहीं कर पा रहा है।

बिगड़ते लाइफस्टाइल के साथ-साथ लोगों में गंभीर बीमारियों का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी आज हर 5 में से 3 व्यक्ति में देखने को मिलती है जो धीरे-धीरे गंभीरता का रूप लेते जा रही है। ज्यादातर कैंसर की समस्याएं महिलाओं में देखने को मिलती है।

हार्मोन असंतुलित से बढ़ रहा है ओवरियरन कैंसर का खतरा

हार्मोन असंतुलित, तनाव और खराब खान-पान के कारंण महिलाओं में ओवरियरन कैंसर का खतरा बढ़ता ही जा रहा है। एक रिसर्च के अनुसार महिलाओं को इसकी जानकारी न होने के कारण वो इस खतरनाक बीमारी की चपेट में आ जाती है। इसके शुरूआती लक्षणों को पहचान कर इस बीमारी को दूर किया जा सकता है लेकिन समय पर इसका इलाज न होने पर यह गंभीर रूप भी ले सकती है। आज हम आपको इस बीमारी के कुछ लक्षण बताएंगे जिसे पहचान कर आप इस बीमारी से सुरक्षित रह सकती है।

क्या है ओवेरियन या यूटेरस कैंसर

ओवेरियन यानि यूटेरस कैंसर गर्भाशय में होने वाला कैंसर है। इसके कारण ओवरी में छोटे-छोटे सिस्ट बन जाते हैं, जोकि कैंसर का रूप ले लेते हैं। इस बीमारी से गर्भधारण में समस्या भी होती है, क्योंकि ओवरियरन कैंसर होने पर गर्भाशय और इसमें मौजूद ट्यूब्स भी नष्ट होने लगती हैं। हालांकि इसके लक्षणों को पहचान कर इसका इलाज किया जा सकता हैं।

ओवेरियन कैंसर के लक्षण

● बार-बार यूरिन आना ● डायरिया या कब्ज ● नियमित रूप से पीरियड्स न होना ● वैजाइनल ब्लीडिंग होना ● गर्भधारण के दौरान समस्या ● बार-बार पेट में दर्द और भारीपन ● गैस और दस्त लगना

इसका उपचार

महिलाओं में ओवरियन कैंसर का उपचार उसकी स्टेज पर निर्भर करता है। कैंसर के उपचार के लिए सर्जरी, कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी का प्रयोग किया जाता है लेकिन यह सारे उपचार बीमारी की अवस्था पर ही निर्भर करते हैं।

घरेलू तरीकों से करें इलाज

अलसी के बीज

अलसी के बीजों में मौजूद फाइबर कैंसर जैसी बीमारियों से लड़ने में मदद करता हैं। इसके अलावा आप इसके तेल की कुछ बूंदे दूध में डालकर पीने से भी कैंसर का खतरा कम होता है।

अदरक

औषधिए गुणों से भरपूर अदरक का सेवन कई बीमारियों को दूर करता है। हाल में एक कैंसर रिसर्च एसोसिएशन ने बताया कि रोजाना अदरक पाउडर का सेवन ओवेरियन कैंसर को जड़ से खत्म कर देता है।

अजवायन तेल

अजवायन तेल फेफड़े, डिम्बग्रंथि, ओवेरियन और स्तन कैंसर की कोशिकाओं को मारने में मदद करता है। भोजन में इसका इस्तेमाल कैंसर के खतरे से बचाता है।

डायबिटीज मरीजों के लिए फायदेमंद हैं ये पौधे, घर पर लगाएं

आजकल सेहत के हिसाब से देखा जाए तो हर 5 में तीसरा शख्स डायबिटीज यानी की शुगर का मरीज है। इन मरीजों को अपने खान-पान का खास ख्याल रखना पड़ता है क्योंकि गलत खान-पान इनकी हालत को ओर भी खराब कर सकता है। अगर यह आऊट ऑफ कंट्रोल हो जाए तो शुगर के लिए इंसुलिन का इस्तेमाल करना पड़ता है लेकिन अगर आप अपने आहार में कुछ ऐसे चीजों को शामिल करेंगे जो डायबिटीक प्रॉब्लम को दूर करने में सहायक होती हैं तो आप इस खतरनाक बीमारी से छुटकारा भी पा सकते हैं। जैसे नीम के पत्ते खाना, करेला का जूस पीना, जामुन की गुठली का चूर्ण इन लोगों के लिए फायदेमंद हैं। इसके अलावा कुछ पौधे भी हैं जो इस रोग से मुक्ति दिलाने में काम करते हैं। चलिए, आज हम आपको ऐसे ही पौधे के बारे में बताते हैं जो घर की सुंदरता के साथ आपको निरोग भी रखते हैं।

तुलसी

तुलसी को हमारे हिंदू धर्म में पूजा जाता है और यह आपके सबके आंगन में सजी भी दिखेगी। लेकिन सिर्फ डैकोरेशन ही नहीं बलकि सेहत के लिहाज से भी यह काफी फायदेमंद हैं। सर्दियों में अगर आप तुलसी की चाय पीएंगे तो ठंड से बचे रहेंगे। इसमें तेज एस्ट्रोन वाला स्वाद भरपूर होता है जो तनाव को दूर रखता हैं। यह डायबिटीज के मरीजों के लिए भी अच्छी हैं क्योंकि इसे ब्लड में शुगर का लेवल सही रहता है।

पुदीना

पुदीने का पौधा, हाई और लो दोनों तरह के ब्लडप्रेशर को कंट्रोल में रखता है। पुदीने की चटनी और इसका जूस डायबिटीज लोगों के लिए फायदेमंद हैं इसलिए घर में इसे जरूर लगा कर रखें।

लहसुन

लहसुन के गुणों के बारे में कौन नहीं जानता। ये अपने आप में ही एक लाजवाब औषधि है। लहसुन एंटिऑक्सीडेंट होने के साथ-साथ एक किस्म का ब्लड एयूरीफायर है। जो हमारे खून को तो साफ रखता ही है साथ ही हाथ पैरों और जोड़ों के दर्द से भी निजात दिलाता है। सबसे बड़ी बात तो ये है कि लहसुन के इस्तेमाल से कैंसर जैसी बीमारी को भी कंट्रोल किया जा सकता है। जैसा कि हमने आपको बताया कि ये पौधे हरियाली देने के साथ आपकी सेहत का भी ख्याल रखेंगे। तो बस इंतजार किस बात का, आप भी इन सेहतमंद पौधों को अपने घर पर उगाकर खूद को बनाइए सुपर हेल्दी।

करी पत्ता

करी पत्ते का इस्तेमाल न सिर्फ खाने में स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है बल्कि इससे अनगिनत रोगों का इलाज भी किया जा सकता है। डायबिटीज के रोगी के लिए करी पत्ता रामबाण का काम करता है। डायबिटीज के रोगियों को 5-6 करी पत्ता रोजाना खाना चाहिए।

धनिया

भोजन में स्वाद व खूशबू बढ़ाने के साथ-साथ हरा धनिया थकान मिटाने में बेहद सहायक है। धनिया में विटामिन ए भरपूर मात्रा में होने से मधुमेह का रोग खत्म हो जाता है। साथ ही इससे खून में इंसुलिन की मात्रा भी नियंत्रित रहती है। इसके साथ ही यह शरीर में बैड कोलेस्ट्रोल की मात्रा घटाने और अच्छे कोलेस्ट्रोल की मात्रा बढ़ाने में भी मददगार साबित होता है।

बैठे-बैठे पैर हिलाने की आदत रेस्टलेस सिंड्रोम के लक्षण हो सकते हैं

समय फ्री होने पर या खेल-खेल में लोग अक्सर पैर हिलाने लगते हैं। धीरे-धीरे ये खेल उनकी आदत में बदल जाता है। कुछ लोग को तो यह आदत इस हद तक लग जाती है कि वो लेट कर भी पैर हिलाते रहते हैं। एक रिर्सच के अनुसार 10 फीसदी लोगों को यह आदत होती ही है। ज्यादातर यह लक्षण 35 साल से अधिक लोगों में पाए जाते हैं लेकिन आजकल इससे कम उम्र के लोगों को भी यह आदत हो जाती है। अगर आपको भी बैठ या लेट कर पैर हिलाने की आदत है तो जरा सावधान हो जाइए कहीं पैर हिलाने की ये आदत आपके लिए खतरा न बन जाए। आपके पैर हिलाने की यह आदत रेस्टलेस सिंड्रोम के लक्षण भी हो सकते हैं। आइए जानते है इसके बारे में कुछ और बातें।

क्या होता है रेस्टलेस सिंड्रोम

यह बीमारी आयरन की कमी के कारण होती है। ज्यादातर 35 साल से अधिक उम्र के लोगों में यह बीमारी पाई जाती है लेकिन आजकल पैर हिलाने की आदत तो आजकल इससे कम उम्र के लोगों में भी होती है। नर्वस सिस्टम से जुड़े इस रोग में डोपामाइन हार्मोन श्रावित होने के कारण ऐसा बार-बार करने का मन करता है। इस समस्या को स्लीप डिसऑर्डर भी कहा जाता है। नींद पूरी न होने पर इंसान थका हुआ महसूस करता है। इसके लक्षण दिखने पर आपको तुरंत ब्लड टेस्ट करवाना चाहिए।

रिसर्च के अनुसार यह है कारण

यह रोग ज्यादातर आयरन की कमी और नींद पूरी न होने के कारण होता है। इसके अलावा यह रोग किडनी, पार्किंसंस से पीड़ित मरीजों, शुगर, बीपी, हृदय और महिलाओं में डिलीवरी के आखिरी दिनों में हार्मोनल बदलाव के कारण भी हो सकता हैं।

इलाज है संभव?

यह बीमारी ज्यादातर नींद पूरी न होने और आयरन की कमी के कारण होती है। इसलिए इस बीमारी में आयरन और अन्य दवाएं दी जाती है, जिसे सोने से दो घंटे पहले लेना होता है। यह दवाएं नींद की बीमारी को दूर करके स्थिति को सामान्य करती है।

घरेलू नुस्खे

दवाओं के अलावा इस बीमारी को दूर करने के लिए आप कुछ घरेलू नुस्खें भी कर सकते हैं। अपनी डाइट में आयरनयुक्त चीजें जैसे पालक, सरसों का साग, चुकंदर, केला आदि लें। इसके अलावा रोजाना व्यायाम, हॉट एंड कोल्ड बाथ और वाइब्रेटिंग पैड पर पैर रखने से इस परेशानी से छुटकारा मिलता है।

इन चीजों से रहें दूर

रात को भोजन के बाद चाय-कॉफी लेने से बचें। इसके अलावा सोने से पहले टीवी, स्मार्टफोन, गैजेट्स और लैपटॉप का इस्तेमाल न करें। रात में हल्का खाना लें ताकि नींद अच्छी आए। इसके अलावा शराब और स्मोकिंग से भी दूरी बनाएं।

हानिकारक हो सकता है इन चीजों का सेवन

बाजार से मिलने वाली कई चीजें ऐसी है, जिसमें मिलावट की जाती है। आप बाजार में मिलने वाली इन चीजों को सेफ समझ कर खरीद तो लेते है लेकिन ये चीजें आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकती है। अक्सर आप बाजार से मिलने वाली चीजों का लेबल और स्वाद देख कर खरीद लेते है पर स्वादिष्ट लगने वाली यह चीजें स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती है। इन चीजों का सेवन आपके लिए कई बीमारियों का कारण बन सकता है। आज हम आपको कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में बताने जा रहें है जिसका सेवन सेहत के लिए खतरनाक हो सकता हैं।

आर्टिफिशियल स्वीटनर्स

कॉफी या दूसरी चीजों के लिए इस्तेमाल होनी वाली आर्टिफिशियल शुगर पेट खराब और डायबिटीज का कारण बन सकती है। इसके अलावा इसका सेवन मोटापा, ब्रेन ट्यूमर और ब्रेस्ट कैंसर जैसी बीमारियों का कारण बनता है।

डिब्बा बंद टमाटर

डिब्बा बंद टमाटरों को पैक करने के लिए उनके बॉक्स में बिस्फेनोल-ए नामक रसायनिक तत्व का इस्तेमाल किया जाता है। यह तत्व शरीर में पहुंच कर तनाव, हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट की बीमारियों का खतरा बढ़ा देता है।

मिलावटी मक्खन

आजकल हर चीज में मिलावट आम देखने को मिलती है। ऐसे ही बाजार से मिलने वाले मिलावटी मक्खन में भी कोलेस्ट्रॉल, केमिकल्स और फैट पाया जाता है, जोकि टाइप 2 डायबिटीज का करण बन सकता है।

पॉपकॉर्न

बाजार से मिलने वाले पॉपकॉर्न को बनाने के लिए मिलावटी मक्खन का इस्तेमाल किया है, जोकि लंग्स प्रॉब्लम का खतरा बढ़ता है। इसके अलावा इसका सेवन दिमागी, सांस और फेफड़ों की समस्याएं पैदा करता है।

प्रोस्सेड मीट

मार्किट से मिलने वाला हॉट डॉग, सलामी मीट, रेड मीट या दूसरी चीजों में इस्तेमाल होने वाला प्रोस्सेड मीट भी सेहत के लिए हानिकारक होता है। इसका रंग ज्यादा लाल करने के लिए सोडियम, नाइट्रेट्स और नाइट्रेट्स जैसे रासायनिक तत्व मिक्स किए जाते है, जो कैंसर का कारण बनते है।

टेबल सॉल्ट

ज्यादातर रेस्तरां में मिलने वाला टेबल सॉल्ट से जरूरी मिनरल्स निकाल कर इस्तेमाल किया जाता है। इस तरह के नमक से पोटेशियम आयोडिन डाला जाता है जिससे खाने का रंग बदल जाता है।

वेजिटेबल ऑयल

वेजिटेबल ऑयल को बनाने के लिए ओमेगा -6 पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड नामक जैविक तत्व का इस्तेमाल किया जाता है। यह तत्व शरीर में जाकर बीमारियों का कारण बनता है।

संक्षिप्त समाचार

ब्लॉक स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव 5 जुलाई को जामगांव एम में, दोपहर 2 बजे से होगा आयोजन, सांसद विजय बघेल होंगे मुख्य अतिथि

पाटन। विकास खंड शिक्षा विभाग पाटन द्वारा ब्लॉक स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव का आयोजन 5 जुलाई को सेजस स्कूल जाम गांव एम में किया जा रहा है। इस असवर पर मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल होंगे। अध्यक्षता जिला पंचायत सदस्य श्रीमती हर्षा लोकमणि चंद्राकर करेंगी। विशेष अतिथि के रूप में जनपद अध्यक्ष राम बाई सिन्हा, उपाध्यक्ष देवेंद्र चंद्राकार, भाजपा जिला अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा, भाजपा उत्तर पाटन मंडल अध्यक्ष लोकमणि चंद्राकर, मध्य पाटन मंडल अध्यक्ष खेमलाल साहू, दक्षिण पाटन मंडल अध्यक्ष लालेश्वर साहू, सर्व जनपद सदस्य, सरपंच राकेश चंद्राकर होंगे। विभागीय अतिथि के रूप में संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग दुर्ग आर एल ठाकुर, जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा, डी एम सी दुर्ग सुरेंद्र पांडे होंगे। ब्लॉक शिक्षा विभाग कार्यक्रम की तैयारी में जुट गए है।

किसानों को मिलेगा भू अर्जन को राशि, सांसद विजय बघेल प्रदान करेंगे चेक

पाटन ब्लॉक के तीन ग्राम के प्रभावित किसानों को राशि देने 6 जुलाई को लगेगा शिविर

पाटन। पाटन ब्लॉक के ग्राम तर्रा, गुजरा एवं अमलेश्वर में सड़क निर्माण हुआ है। इन सड़क निर्माण में कई किसानों का जमीन सड़क निर्माण की जड़ में आ गया था। जिसे शासन ने भू अर्जन किया है। इन प्रभावित किसानों को उनके भू अर्जन की राशि का चेक 6 जुलाई को सांसद विजय बघेल के हाथों सौपा जाएगा। इसके लिए तैयारी भी शुरू कर दी गई है। बताया जा रहा है कि 6 जुलाई को ग्राम तर्रा,गुजरा एवं अमलेश्वर में विशेष सिविर लगाया जाएगा। जिसमें इन किसानों को सांसद विजय बघेल चेक सौंपेंगे। मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम अमलेश्वर में अमलेश्वर मोतीपुर फुंडा मार्ग का उन्नयन एवं विकास हेतु 15 किसानों का भू अर्जन किया गया था। इन 15 किसानों को कल 3 करोड़ 57 लाख 95000 का चेक सोप जाएगा। इसके अलावा ग्राम तर्रा के आठ किसान जिनकी जमीन सावनी तर्रा मार्ग पर जद में आई थी उन किसानों को 35 लाख 50000 रुपए का चेक सोपा जाएगा ।इसके अलावा पाटन अखरा से गुजरा मार्ग का निर्माण हुआ है इस मार्ग में 16 किसानों का भू अर्जन का मामला बना था । जिसमें इन किसानों को एक करोड़ 37 लाख 95 हजार रुपए की राशि का चेक वितरण किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक 6 जुलाई शनिवार को तीनों गांव में अलग-अलग समय पर शिविर आयोजित किए जाएंगे जिसमें दुर्ग के सांसद विजय बघेल मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे।

खनिज रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन में शामिल 6 ट्रैक्टर जप्त

सारंगढ़ - बिलाईगढ़। कलेक्टर धर्मेश साहू के निर्देश पर खनि अधिकारी हीरादास भारद्वाज के मार्गदर्शन में खनिज एवम पुलिस विभाग के सयुंक्त दल द्वारा बिलाईगढ़ तहसील का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। ग्राम चिकनीडीह में खनिज रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन में शामिल 06 ट्रैक्टर को जप्त किया गया, जिसमें 03 ट्रैक्टर को भटगांव थाना में और 3 ट्रैक्टर की सुपुर्दगी सरसीवा थाना में दिया गया। यह कार्यवाही छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 एवम् खान एवं खनिज विकास आधिनियम 1957 की धारा 21 के तहत की जाएगी।साथ ही अवैध उत्खनन परिवहन एवं भण्डारण की कार्यवाही आगे भी निरंतर कलेक्टर के निर्देश पर की जायेगी।

निधन: पत्रकार संदीप श्रीवास्तव

दुर्ग। पदमनाभपुर एलआईजी-477 निवासी पत्रकार संदीप श्रीवास्तव 55वर्ष का गुरुवार को आकस्मिक निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार शिवनाथ नदी मुक्तिधाम में किया गया। वे दिलीप श्रीवास्तव व संजीव श्रीवास्तव के भाई थे।

निधन: श्रीमती सिंधु ताम्रकार

दुर्ग। श्रीमती सिंधु ताम्रकार धर्म पत्नी झगर सिंह ताम्रकार, मरोदा, भिलाई निवासी का निधन गुरुवार को हो गया।उनका अंतिम संस्कार शिवनाथ नदी मुक्ति धाम मे किया गया। वे स्वतंत्र कुमार, सत्येंद्र कुमार, स्वदेश ताम्रकार की माता जी थी ।

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय सांकरा के विद्यार्थियों ने सिखा कृषि रसायनों की उचित उपयोग एवं प्रबंधन के उपाय

पाटन (समय दर्शन)। उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र सांकरा पाटन में बीएएसएफ इंडिया लिमिटेड एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में कृषि रसायनों के उचित उपयोग एवं उसके प्रबंधन के उपाय के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके थीम- सकुशल घर लौटे देश के रत्न(कृषक) कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ अंसार नदाफ एवं उनके टीम ने कृषि रसायनो की उचित उपयोग एवं उसके प्रबंधन के तरीके के बारे में विस्तार से जानकारी दिए, उन्होंने 9 आसान तरीके बताएं जैसे कृषि रसायन हमेशा ऑथराइज्ड शॉप से लेना चाहिए,कृषि रसायन को अलग-अलग बैग में रखना चाहिए खाने वाले सामानों के साथ एक ही थैलों में नहीं रखना चाहिए, रसायनो का भंडारण बच्चों एवं जानवरों से दूर रखनी चाहिए, प्रोडक्ट लेबल एवं उसकी पर्ची को अच्छे से पढ़ना चाहिए, घोल बनाते समय लकड़ी से घूमना चाहिए या दस्ताने पहनकर घोल बनाना चाहिए, स्प्रे करने से पहले स्प्रेयर और नोजल की जांच कर लेना चाहिए ,निजी

सुरक्षा उपकरण जैसे चश्मा, दस्ताना, सेफ्टी किट पहन कर कृषि रसायनों का छिड़काव करना चाहिए,कीटनाशकों का छिड़काव करते समय खाना, पीना एवं धूम्रपान नहीं करना चाहिए, छिड़काव हमेशा सुबह या शाम को करना चाहिए हवा की तेज रफ्तार होने पर छिड़काव ना करें,कृषि रसायनो के छिड़काव के बाद बोतल एवं पॉलिथीन को सुरक्षित जगह में रखें या जमीन में दबा दे, पानी एवं मवेशी के सपंर्क से बचाएं, कृषि रसायनों के छिड़काव के बाद अच्छे से नहा कर पूरा कपड़ा अच्छे से धोकर धूप में अच्छे से सुखाए,कृषि रसायनों का उचित उपयोग एवं रखरखाव नहीं करने से मनुष्यो,जानवरों के स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता हैं एवं एग्रो केमिकल्स के उचित उपयोग नहीं करने से विभिन्न लक्षण दिखाई देते हैं जैसे आंख का जलना शरीर में खुजली, सर दर्द,थकान, सांस का फूलना आदि लक्षण है लक्षण दिखाई देने के तुरंत बाद प्राथमिक उपचार के लिए डॉक्टर के पास कृषि रसायन के प्रोडक्ट लेवल एवं उसके पर्ची लेकर जाएं ,हाथों को 15 मिनट रनिंग वाटर में धोए, खाली जगह में जाकर शुद्ध ताजी हवा ले इत्यादि। कार्यक्रम के अध्यक्षता डॉक्टर अमित दीक्षित,अधिष्ठाता ने किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने कृषि रसायनों से संबंधित विभिन्न प्रश्न विशेषज्ञों से पूछे एवं उनकी जानकारी प्राप्त किए,कार्यक्रम डॉक्टर गागेंद सिंह राजपूत, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी के मार्गदर्शन में सफल हुआ।।

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय में आपदा प्रबंधन विषय पर कार्यशाला आयोजित

बालोद। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल ने आपदा प्रबंधन विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई शाला में एनडीआरएफ की तीसरी बटालियन मुंडाली, जिला कटक उड़ीसा की टीम का आगमन हुआ, जिनके द्वारा शाला के छात्रों को आपदा के समय काम आने वाले आवश्यक जीवन-रक्षक कौशल के बारे में जानकारी देकर उन्हें आपदा प्रबंधन के ज्ञान से सशक्त बनाने का प्रयास किया गया। हृष्टक्रम के विशेषज्ञ प्रशिक्षकों सब इंस्पेक्टर एसके सिन्हा , आरक्षक जीडी प्रदीप कुमार दुबे , पंकज कुमार, एसके बेहरा ने आपदा प्रतिक्रिया तकनीकों में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया, जिसमें भूकंप की तैयारी से लेकर प्राथमिक चिकित्सा तक सब कुछ शामिल गया था। इस सहयोगात्मक कार्यक्रम ने न केवल छात्रों की व्यावहारिक क्षमताओं को मजबूत किया, बल्कि उनमें समुदाय और जिम्मेदारी की भावना को भी बढ़ावा दिया। प्रशिक्षण देते हुए एनडीआरएफ की टीम ने बाढ़ से बचाव के लिए जानकारी देते हुए बताया कि इस समय लोगों को अपना धैर्य नहीं खोना चाहिए। जब भारी बारिश के बाद गांव में बाढ़ आ जाए तो सकुशल बाहर आने के लिए घर में पड़े बेकार की वस्तुओं जैसे कि खाली प्लास्टिक की बोतलों, प्लास्टिक जार, फुटबॉल, सूखें हुए नारियल,बांस आदि से तैयार उपायों की मदद से पानी भरे निचले इलाकों से लोगो को निकाला जा सकता हैं। पानी में कोई व्यक्ति डूबने लगे तो उसके बचाव के लिए बांस व रस्सी की मदद से डूबते हुए व्यक्ति को भी बचाया जा सकता हैं। जवानों ने बाढ़ के पानी से निकलने के बचाव के लिए छात्रों और शिक्षकों को कई मॉकड्रिल कर दिखाया। साथ ही आग से घिरने पर बचाव बाढ़ तूफान और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के साथ , सीपीआर देने की प्रक्रिया के बारे में भी इस शिविर में बताया गया , इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य अरुण कुमार साहू ने कहा कि कार्यशाला में सीखे गए सबक को आगे दूसरो को बढ़ाएं और आपदा प्रबंधन पर खुद को शिक्षित करना हमेशा जारी रखें, इस कार्यशाला में विद्यार्थियों के साथ संस्था के शिक्षक नेमसिंह साहू, शैली गंगबेर , भागवत साहू, वेद देवांगन, रोमेंद्र देवांगन और अन्य शिक्षक उपस्थित रहें।

परिवहन विभाग एवं यातायात विभाग द्वारा संयुक्त रूप से जांच प्रारंभ

21 वाहनों पर चालानी कार्यवाही करते हुए 75 हजार रूपए शमन शुल्क वसूल की गई

दुर्ग। दुर्ग जिले के अंतर्गत संचालित स्कूलों में स्कूली बच्चों को सुरक्षित यातायात को ध्यान रखते हुए स्कूली बच्चों को लाने ले जाने हेतु संचालित आटो रिक्शा, वेन आदि की परिवहन विभाग एवं यातायात विभाग दुर्ग द्वारा संयुक्त रूप से जांच 04 जुलाई से प्रारंभ किया गया, जिसमें क्षमता से अधिक व असुरक्षित बच्चों को बिठाते हुए पाया गया है। अवैधानिक रूप से संचालित 21 वाहनों पर चालानी कार्यवाही करते हुए 75 हजार रूपए शमन शुल्क वसूल की गई है। विद्यालयों में आटो-रिक्शा का संचालन को तत्काल बंद करने स्कूल

प्रबंधनों को नोटिस जारी किया गया है। इस संबंध में पालकों से अपील की गई है कि सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अपने बच्चों को आटो-रिक्शा व वेन से स्कूल न भेजें। आगामी दिनों में भी सतत् रूप से बिना परमिट, फिटनेश व बीमा के चलने वाले ऑटो रिक्शा, स्कूली वेन एवं स्कूल बसों आदि पर कार्यवाही किया जाएगा। उक्त जांच क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री एस.एल. लकड़ा, श्रीमती प्रभा तिवारी, परिवहन उप निरीक्षक एवं यातायात विभाग के उप पुलिस अधीक्षक श्री सतीश ठाकुर एवं उनकी सहयोगी द्वारा किया गया।

उल्लास साक्षरता कार्यक्रम का गंभीरतापूर्वक करें क्रियान्वयन- कलेक्टर अग्रवाल

छूटे हुए लोगों के आयुष्मान कार्ड निर्माण में लाये तेजी

10 जुलाई को सभी ब्लॉकों में वृहद वृक्षारोपण अभियान की करें तैयारी

गरियाबंद (समय दर्शन)। असाक्षरों को साक्षर बनाने के लिए भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत जिले में भी असाक्षरों को साक्षर बनाने का वृहद अभियान चलाया जायेगा। इसके तहत 15 वर्ष के अधिक आयु के ऐसे व्यक्ति,जो कभी स्कूल नहीं गया हो,उन्हें बुनियादी शिक्षा प्रदान कर साक्षर बनाया जायेगा। केन्द्र सरकार द्वारा संचालित उल्लास कार्यक्रम के तहत स्वयंसेवी शिक्षकों एवं जन सहयोग से असाक्षरों को बुनियादी साक्षरता,जीवन कौशल,व्यवसायिक कौशल एवं सामान्य पढ़ाई-लिखाई के साथ संख्यात्मक अक्षर ज्ञान प्रदान किया जायेगा।आज समय-सीमा की समीक्षा बैठक में कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने जिले में उल्लास कार्यक्रम का

गंभीरतापूर्वक क्रियान्वयन करने के निर्देश दिये।उन्होंने स्वयंसेवी शिक्षकों के रूप में आमजनों का सहयोग लेने एवं जिला अधिकारियों को भी स्वयंसेवी शिक्षक के रूप में सेवा देकर असाक्षरों को साक्षर बनाने के अभियान में शामिल करने के निर्देश दिये।बैठक में कलेक्टर श्री अग्रवाल ने शिक्षा के अधिकार के तहत निजी स्कूलों में एडमिशन लेने वाले बच्चों एवं उनके ड्रापआउट दर के बारे में भी जानकारी ली।उन्होंने ड्रापआउट रोकने स्कूलों के लिए जिला अधिकारियों को मेंटर नियुक्त करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। जिला अधिकारी आवंटित स्कूलों का निरीक्षण कर एवं आरटीई प्रवेशी बच्चों से संपर्क कर उन्हें पढाई के लिए प्रोत्साहित करेंगे,जिससे शाला त्यागी बच्चों की दर में कमी आयेगी। इस दौरान बैठक में उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के उप निदेशक वरूण जैन,जिला पंचायत सीईओ रीता यादव, संयुक्त कलेक्टर राकेश गोलछा सहित सभी एसडीएम, जनपद पंचायत सीईओ एवं अन्य जिला अधिकारी मौजूद रहें।

शाला प्रवेश उत्सव में शामिल हुए विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल

विद्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण कर सभी को पेड़ पौधा लगाने हेतु प्रेरित किये

बसना (समय दर्शन)। नए शिक्षा सत्र को एक उत्सव के रुप में मनाते हुए गुरुवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सलडीह में विकासखण्ड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव एवं शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बसना तथा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बसना में शाला प्रवेश उत्सव आयोजित किया गया। उपरोक्त सभी कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल के साथ अन्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती, मां भारती व छत्तीसगढ़ महतारी की पुजा-अर्चना कर,दीप प्रज्ज्वलित कर राज्य गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में छात्र छात्राओं ने मनमोहक नृत्य कर फुलमाला पहनाकर अतिथियों का स्वागत किया। विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल व अन्य अतिथियों सहित अधिकारियों ने नवप्रवेशी छात्र छात्राओं को तिलक लगाकर, फुलमाला पहनाकर, पाठ्य पुस्तक, शाला गणवेश वितरण कर व मिठाई खिलाकर स्वागत किया। इस दौरान विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने विद्यालय प्रांगणों में वृक्षारोपण कर सभी को पेड़ पौधा लगाने हेतु प्रेरित किये।

मुख्य अतिथि विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें आज की पीढ़ी के अनुसार 21 वीं सदी की योग्यता के अनुरूप शिक्षा प्राप्त करना है और पढ़ लिखकर अच्छा नागरिक बनकर अच्छे अच्छे नौकरी में जाकर तथा अपना स्वयं का व्यापार खड़ा कर माता-पिता का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि हमारे छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के लिए सजग हैं, साथ ही विद्यालय परिसर को हरा भरा करने हेतु वृक्षारोपण करना अनिवार्य है। सभी संकल्प लें की हमारा बसना विधानसभा क्षेत्र स्वच्छ और सुंदर बने। आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। साथ में विधायक ने विद्यालय प्रांगणों में वृक्षारोपण कर सभी को पेड़ पौधा लगाने हेतु प्रेरित किये। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर 'एक पेड़ माँ के नाम' इस थीम पर पूरे राज्य के स्कूलों में पौधारोपण करने का अभियान चलाया जा रहा है।विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने छात्रों को प्रेरित करते हुए बताया कि पर्यावरण

को संतुलित बनाये रखने में पेड़ पौधों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने कहा कि अपने परिजन की स्मृति में पौध रोपण करें। पेड़ पौधों के कारण वातावरण का शुद्ध और तापमान नियंत्रित रहता है। पेड़ पौधों पर ही हमारे जीवन का भविष्य निर्भर रहता है। उन्होंने बच्चों से कहा कि वे स्वयं तो पौधे लगायेंगे साथ ही अपने परिवार के सदस्यों एवं दोस्तों को भी पौधे लगाने के लिए प्रेरित करें। कार्यक्रमों के दौरान विद्यालय परिवार की तरफ से विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सलडीह शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रसन्न प्रधान मालगुजार, भाजपा मण्डल सांकरा अध्यक्ष कृष्ण कुमार साहू,मण्डल पिथौरा अध्यक्ष नरेश सिंघल, पूर्व जनपद पंचायत पिथौरा अध्यक्ष सतपाल सिंह छाबड़ा, वरिष्ठ भाजपा नेता कैलाश अग्रवाल, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष मथामणी बढ़ाई,निज सचिव नरेन्द्र बोरे, विधायक कार्यालय प्रभारी प्रकाश सिन्हा,संजय गोयल, सरपंच श्वेत प्रधान, उपसरपंच सुचित्रा साहू,बीईओ कमलेश कुमार ठाकुर, बीआरसी गौतम कनेर, प्राचार्य मिनिकेतन दास, आरएमओ मनीष भारद्वाज, किसान मोर्चा अध्यक्ष अजय डड़सेना,मण्डल उपाध्यक्ष देवारचंद प्रधान, युवा नेता सोनू छाबड़ा, दीपक देवांगन, महावीर सिदार, खेमू अग्रवाल, प्रहलाद पटेल, रविप्रकाश प्रधान, अनिल बढ़ाई, अखिलेश दास आदि एवं बसना शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश अग्रवाल, पूर्व प्राचार्य कैलाश चंद्र साहू, प्राचार्य सुरेश कुमार पटेल, विधायक प्रतिनिधि अभिमन्यु जायसवाल, विधायक कार्यालय प्रभारी प्रकाश सिन्हा विधायक प्रतिनिधि अरविंद मिश्रा, विधायक प्रतिनिधि मोहित पटेल, प्राचार्य खिरोद पुरोहित, उपसरपंच त्रिलोचन भोई, शिक्षक पालक समिति अध्यक्ष रासबिहारी प्रधान,पूर्व अध्यक्ष राजकुमार बेहरा, शिक्षक पालक समिति कोषाध्यक्ष विजय पटेल, रेंजर आफिसर एस आर निराला, रमेश कुमार सोनी, मुरलीधर नायक, वैष्णव महापात्र आदि तथा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बसना में भाजपा जिला संयोजक डॉ एनके अग्रवाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश अग्रवाल, भाजपा मण्डल बसना अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, विधायक प्रतिनिधि व मण्डल महामंत्री अभिमन्यु जायसवाल, विधायक कार्यालय प्रभारी प्रकाश सिन्हा,विधायक प्रतिनिधिगण अरविंद मिश्रा, मोहित पटेल, पूर्व प्राचार्य कैलाश चंद्र साहू, प्राचार्य एनके पण्डा, प्रधानपाठक राजकुमारी गुप्ता, विवेकानंद दास, मनोहर पटेल,विजय पटेल, पत्रकारगण सेवक दास दीवान, संजय तायल, गौरीशंकर दास मानिकपुरी, सुकदेव वैष्णव, अविनाश नायक सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक, स्कूल के प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं, पालकगण और विद्यार्थीगण मौजूद रहें।

खबर-खास

लीडिंग प्रिसिजन इंजीनियरिंग कंपनी शिवालिक इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने आईपीओ के लिए डीआरएचपी फाइल की

रायपुर। भारत की लीडिंग प्रिसिजन इंजीनियरिंग कंपनियों में से एक रायपुर बेस्ड शिवालिक इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग से फंड जुटाएगी। इसके लिए कंपनी ने मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया के साथ अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (ष्ठक्राक्क) दाखिल किया है। 5 रुपये प्रति इक्विटी शेयर की फेस वैल्यू वाला आई पी ओ फ्रेश और ऑफर फॉर सेल का मिक्स है। इसमें 335 करोड़ रुपए तक के फ्रेश शेयर जारी किए जाएंगे और प्रमोटर और अन्य सेलिंग शेयरहोल्डर 4.13 मिलियन इक्विटी शेयर बेचेंगे। ऑफर में पात्र कर्मचारियों को सब्सक्रिप्शन के लिए रिजर्वेशन भी मिलेगा। एम्प्लॉई रिजर्वेशन पोर्शन में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को डिस्काउंट ऑफर किया जा रहा है। ऑफर फॉर सेल में प्रमोटर गिरिराज सिंघानिया 1,204,260 तक, राघवेंद्र सिंघानिया 1,204,260 तक, विशाल शर्मा 802,760 तक, मोहित शर्मा 211,200 तक, पंकज शर्मा 12,320 तक, ध्रुव कुमार नागवानी 220,000 तक, नवीन कुमार नागवानी 220,000 तक, और पदम कुमार नागवानी 255,200 तक इक्विटी शेयरों की बिक्री शामिल है। ऑफर बुक-बिल्डिंग प्रोसेस के माध्यम से किया जा रहा है, जिसमें योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए आनुपातिक आधार पर आवंटन के लिए नेट ऑफर का 50त्न से अधिक उपलब्ध नहीं होगा। गैर-संस्थागत निवेशकों को आवंटन के लिए नेट ऑफर का कम से कम 15त्न उपलब्ध होगा। नेट ऑफर का कम से कम 35त्न रिटेल इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स के लिए आवंटन के लिए उपलब्ध होगा। फ्रेश शेयरों से जुटाई गई रकम में से 179.24 करोड़ रुपए का इस्तेमाल सोलर प्लांट लगाने के लिए किया जाएगा। मौजूदा यूनिट के विस्तार यानी, नई फाउंड्री लाइन स्थापित करके मौजूदा फाउंड्री क्षमता का विस्तार और जनरल कॉर्पोरेट पर्पज के लिए 50 करोड़ रुपए का उपयोग होगा। शिवालिक इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज ने ऑटोमोटिव, एग्रीकल्चर, रेलवे और ऑफ-हाईवे इंडस्ट्रीज जैसे सेक्टर्स के लिए हाई-क्वालिटी मेटल पार्ट सहित कास्टिंग कंपोनेंट के निर्माण पर फोकस करते हुए 2007 में अपना परिचालन शुरू किया।

एचडीएफसी बैंक ने कोर बैंकिंग सिस्टम को नए इंजीनियर्ड प्लेटफॉर्म पर माइग्रेट करने की योजना बनाई

13 जुलाई को अपग्रेड के दौरान कुछ सेवाएं अस्थायी रूप से सीमित रहेंगी

मुंबई: भारत का अग्रणी निजी क्षेत्र का बैंक एचडीएफसी बैंक 13 जुलाई, 2024 को सिस्टम अपग्रेड करने जा रहा है। बैंक अपने कोर बैंकिंग सिस्टम (सीबीएस) को नए इंजीनियर्ड प्लेटफॉर्म पर माइग्रेट कर रहा है, जिसका उद्देश्य देश भर में 9.3 करोड़ व्यक्तियों और व्यवसायों के अपने बढ़ते ग्राहक आधार के लिए ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाना है। इस माइग्रेशन से बैंक को प्रदर्शन की गति में सुधार करने, उच्च ट्रैफ़िक वॉल्यूम को संभालने की अपनी क्षमता का विस्तार करने, विश्वसनीयता और मापनीयता को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। इस अपग्रेड के साथ एचडीएफसी बैंक अपने आकार और बैंकिंग वॉल्यूम के हिसाब से देश में सबसे बड़े बैंकों में से एक होगा, जो अपने कोर बैंकिंग सिस्टम को नए-जीन प्लेटफॉर्म पर होस्ट करेगा।

शेड्यूल किए गए अपग्रेड विवरण: प्रारंभ: शनिवार, 13 जुलाई 2024 को सुबह 3.00 बजे, समाप्ति: शनिवार, 13 जुलाई 2024 को शाम 4.30 बजे।

नाम परिवर्तन

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं हेलेन्द्र दास मानिकपुरी आत्मज स्व. बिसम्भर दास, जाति-पनिका, उम्र 62 वर्ष, निवासी-गणेश नगर, वार्ड नंबर-05, जामुल मिलाई, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) का हूं। पूर्व में सिम्प्लेक्स कंपनी भिलाई, जिला दुर्ग (छ.ग.) में कार्यरत था जहां मेरे समस्त रिकार्ड एवं पी.एफ रिकार्ड में मेरा घरेलू नाम सुरेश मानिकपुरी आत्मज बिसम्भर दास अंकित है ।

मेरे समस्त शैक्षणिक दस्तावेज मूल अंकसूची, आधार कार्ड बैंक, पेन कार्ड, राशन कार्ड, समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय, रिकार्ड एवं अन्य अभिलेखों / दस्तावेजों में मेरा सहीं व वास्तविक नाम हेलेन्द्र दास मानिकपुरी आत्मज स्व. बिसम्भर दास है जिस आधार पर सिम्प्लेक्स कंपनी भिलाई, जिला दुर्ग (छ.ग.) के मेरे समस्त रिकार्ड में सुरेश मानिकपुरी आत्मज बिसम्भर दास को विलोपित कर उसके स्थान पर परिवर्तित / संशोधित नाम हेलेन्द्र दास मानिकपुरी आत्मज स्व. बिसम्भर दास तथा अब मैं अपने परिवर्तित नाम से जाना, पहचाना एवं पुकारा जाता हूं ।

अतः पूर्व में सिम्प्लेक्स कंपनी भिलाई, जिला दुर्ग (छ.ग.) के समस्त रिकार्ड एवं पी.एफ रिकार्ड में मेरा घरेलू नाम सुरेश मानिकपुरी आत्मज बिसम्भर दास अंकित है। को विलोपित कर मेरे समस्त शैक्षणिक दस्तावेज मूल अंकसूची, आधार कार्ड बैंक, पेन कार्ड, राशन कार्ड, समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय, रिकार्ड एवं अन्य अभिलेखों / दस्तावेजों में मेरा सहीं व वास्तविक नाम हेलेन्द्र दास मानिकपुरी आत्मज स्व. बिसम्भर दास है जिस आधार पर सिम्प्लेक्स कंपनी भिलाई, जिला दुर्ग (छ.ग.) के समस्त रिकार्ड एवं पी.एफ रिकार्ड में सुरेश मानिकपुरी आत्मज बिसम्भर दास को विलोपित कर परिवर्तित / संशोधित नाम हेलेन्द्र दास मानिकपुरी आत्मज स्व. बिसम्भर दास लिखना चाहता हूं।

आवेदक
हेलेन्द्र दास मानिकपुरी
आत्मज स्व. बिसम्भर दास,
उम्र 62 वर्ष, निवासी-गणेश नगर,
वार्ड नंबर-05, जामुल भिलाई,
तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)
मोबाईल नंबर- 9302964066

दुर्ग
दिनांक 04.07.2024

सत्य की हुई जीत : कवर्धा नगर पालिका अध्यक्ष का फिर से होगा चुनाव- मोहित माहेश्वरी

उच्च न्यायालय ने दिया एक सप्ताह में चुनाव कराने आदेश

कवर्धा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ की राजनीति में हॉट सीट माने जाने वाले कबीरधाम जिले के कवर्धा नगर पालिका में नई सरकार के गठन के बाद से ही नगर पालिका में अध्यक्ष पद के लिए गहमा गहमी शुरू हो गई थी। एक बहुचर्चित मामले के बाद नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि शर्मा ने अपना स्तीफा दे दिया था। तत्पश्चात भाजपा की सरकार आने के बाद डिप्टी सीएम विजय शर्मा के गृह नगर में भाजपा ने नगर पालिका में कांग्रेसी पार्षद के बहुमत होने के बाद भी एक भाजपा के पार्षद कों नगर पालिका के अध्यक्ष पद पर मनोनीत करते हुए कवर्धा की जनता पर जबरन थोप दिया था।

पूरे मामले पर कांग्रेस पार्षद मोहित माहेश्वरी ने न्यायालय की शरण जाकर याचिका दायर की थी। संविधान के विपरीत किए गए इस प्रकार के कृत्य से कवर्धा की जनता का विश्वास जरुर डगमगाया। लेकिन आज पूरे मामले पर माननीय उच्च न्यायालय ने संज्ञान लेते हुए याचिका क्रमांक डब्ल्यूपीसी/ 1516/2024 पर शासन द्वारा अध्यक्ष मनोनयन की प्रक्रिया कों गलत ठहराते हुए शासन कों एक सप्ताह के भीतर चुनाव प्रक्रिया प्रारंभ करने का आदेश जारी किया है।

पार्षद माहेश्वरी ने बताया कि माननीय न्यायालय ने अपने आदेश में कहा है कि नगर पालिका अध्यक्ष चुनाव छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 37 के अंतर्गत निर्धारित नियमों के अनुसार नहीं हो रहा था। माननीय न्यायालय ने यह निर्णय लेने के पश्चात कहा कि चुनाव तत्काल कराया जाए और सभी तथ्यों के आधार पर निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया कि वह सात दिनों के भीतर आवश्यक अधिसूचना जारी करके प्रक्रिया आरंभ करे। सभी कांग्रेसी पार्षदों द्वारा चुनाव तत्काल कराने का अनुरोध किया गया है, जिससे संविधान के भावना की रक्षा की जाए तथा कानून का शासन सुरक्षित रहे।

माननीय न्यायालय के आदेशानुसार निर्वाचन अधिसूचना जारी करने में किसी भी प्रकार का विलम्ब माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश की जानबूझकर अवहेलना होगी तथा यह नगर पालिका परिषद कवर्धा के अध्यक्ष पद पर आसीन होने के संवैधानिक आदेश को जानबूझकर दरकिनार करने का कृत्य भी होगा। पार्षद श्री माहेश्वरी ने बताया कि चुनाव हुए काफी समय बीत चुका है जिसके फलस्वरूप राज्य द्वारा मनोनीत पार्षद ने नगर पालिका परिषद कवर्धा के कार्यालय पर कब्जा कर लिया है जो संविधान के विरुद्ध है।

राज्य निर्वाचन आयोग को पार्षदों ने आदेश की कापी सौंपी- आदेश आने के बाद समस्त कांग्रेसी पार्षदगण ने आज राज्य निर्वाचन आयोग रायपुर में अपनी उपस्थिति दर्ज करा कर मान. उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश की कॉपी सहित 15 पार्षदों के हस्ताक्षर के साथ चुनाव के संबंध में आवेदन निर्वाचन आयोग कों सौंपा है, जिससे जल्द से जल्द चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ किया जा सके। चुनाव हुए काफी समय बीत चुका है जिसके फलस्वरूप राज्य द्वारा मनोनीत पार्षद ने नगर पालिका परिषद कवर्धा के कार्यालय पर कब्जा कर लिया है।

हिराबतर गांव में हुआ फिर से शाला प्रारंभ, बच्चे नियमित स्कूल आयेंगे

शासन से युक्तियुक्तकरण होते ही दोनों स्कूलों में दर्ज विद्यार्थियों की संख्या के मान से शिक्षकों की प्रतिपूर्ति किया जायेगा

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक अग्रवाल के निर्देश पर छुरा विकासखण्ड के गांव हीराबतर में अनुविभागीय अधिकारी विशाल महाराणा,जिला शिक्षा अधिकारी एके. सारस्वत,तहसीलदार योगेंद्र देवांगन ने पहुंच कर कुछ दिनों से बंद स्कूल को पुन: प्रारंभ कराया गया।शिक्षा विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार ग्राम हिराबतर में प्राथमिक व माध्यमिक शाला एक ही परिसर में संचालित है।वर्तमान में प्राथमिक शाला की दर्ज संख्या-71 है। जिसमें दो शिक्षक कार्यरत है दर्ज के मान से एक शिक्षक का पद रिक्त है,माध्यमिक शाला में दर्ज संख्या-38 जिसमें तीन शिक्षक कार्यरत है दर्ज संख्या के मान से शिक्षक पर्याप्त है।शासन के निर्देशानुसार युक्तियुक्तकरण होना है,जिसमें प्राथमिक शाला में एक शिक्षक की प्रतिपूर्ति किया जायेगा।शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ईश्वर नेताम को विकासखंड शिक्षा अधिकारी द्वारा अवगत करा दिया गया है।शासन से शिक्षकों की संलग्नीकरण बंद है,जैसे ही युक्तियुक्तकरण शासन से आदेश होगा।दोनों स्कूलों में दर्ज संख्या के मान से शिक्षक की व्यवस्था किया जायेगा।वर्तमान में दोनों स्कूलों को एक साथ संचालित करने के लिए प्रधानपाठक को निर्देश दिये गये है।शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष को जिला शिक्षा अधिकारी ने समझा कर स्कूल की ताला खोलने कहा गया और बच्चों को स्कूल आने के लिए कहा गया।उन्होंने बताया कि दोनों संस्था संयुक्त रूप से संचालित कर सरलता से अध्यापन कार्य कराया जा सकता है।अधिकारियों की समझाइश से छात्र हित में गांव वालों ने विद्यालय पूर्व की संचालित करने के लिए सहमत हो गए हैं।सभी बच्चे कल से नियमित स्कूल आयेंगे।अधिकारियों की संयुक्त टीम गांव पहुंचकर पालकों से चर्चा करते हुए बताया कि जैसे ही युक्तियुक्तकरण का आदेश होते ही स्कूल में बच्चों की दर्ज संख्या के आधार पर शिक्षक की व्यवस्था की जायेगीं। जिससे सभी पालकों ने सहमति जाहिर की। शिक्षा अधिकारी ने बताया कि इन स्कूल के सभी विद्यार्थियों को गणवेश और पाठ्यपुस्तकें प्रदान कर दिया गया है। सभी पालक सहमति दे दिए हैं,स्कूल आज से नियमित रूप से संचालित हो रहा है।

नाम परिवर्तन

मैं शपथकर्ता प्रहलाद कुमार गोदवानी (**Prahlad Kumar Godwani**) पिता स्व. कुंदनमल गोदवानी (**Kundanmal Godwani**) उम्र 61 वर्ष निवासी मकान नं. 317/5, वार्ड नं. 26, पाटनकर कालोनी, संतराबाड़ी दुर्ग, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) 491001, मेरे पुत्र/पुत्री नाम से आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र, एवं अन्य दस्तावेज जारी हुआ है जिसमें मेरा (पिताजी) का नाम श्री प्रहलाद कुमार गोदवानी (**Prahlad Kumar Godwani**), दर्ज है। मेरे पुत्र/पुत्री के नाम से जन्म प्रमाण पत्र, शैक्षणिक अंकसूची, जारी हुआ है जिसमें मेरा (पिताजी) का नाम श्री आनंद गोदवानी (**Anand Godwani**), दर्ज है। मेरे नाम से आधार कार्ड, पेन कार्ड, जारी हुआ है जिसमें मेरा नाम श्री प्रहलाद कुमार गोदवानी (**Prahlad Kumar Godwani**), दर्ज है। मेरा सही एवं वास्तविक नाम श्री प्रहलाद कुमार गोदवानी (**Prahlad Kumar Godwani**), है जो कि सत्य एवं सही है। मेरे पुत्र/पुत्री के आगे सभी शासकीय/अर्द्धशासकीय/वित्तीय संस्थान के दस्तावेज पर मेरा पिताजी का सही एवं वास्तविक नाम श्री प्रहलाद कुमार गोदवानी (**Prahlad Kumar Godwani**), दर्ज किया जायें। शासकीय गजट प्रकाशन में सही व वास्तविक नाम श्री प्रहलाद कुमार गोदवानी (**Prahlad Kumar Godwani**) दर्ज करवाने के समर्थन में यह शपथपत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं शबाना अंजुम खान पिता जाकिर हुसैन खान निवासी 317/5 कसारीडीह दुर्ग (छ.ग.) पिन 491001, यह शपथ करती हूं कि मैंने अपना यह पुराना नाम को त्याग कर नया नाम शबाना अंजुम पति मोहम्मद हुसैन सिद्दिकी रख ली हूं, अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम शबाना अंजुम पति मोहम्मद हुसैन सिद्दिकी से ही जाना पहचाना जावे।

शबाना अंजुम
317/5 कसारीडीह दुर्ग (छ.ग.)
पिन 491001

!! न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.) !!

//उद्घोषणा//

रा.प्र.क्र./2024071030000013/अ-6/ वर्ष 2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक - दीपक चौरसिया पिता भोलानाथ मंडल निवासी कोहका भिलाई तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि मौजा जेवरा प.ह.नं. 13 रा.नि. मं.दुर्ग-1 खसरा नंबर 349 रकबा 1.6000 हे. भूमि राजस्व अभिलेख में वसीयतकर्ती स्व. श्रीमती उर्मिला देवी पति भोलानाथ मंडल के नाम पर दर्ज है। वसीयतकर्ती स्व. श्रीमती उर्मिला देवी पति भोलानाथ मंडल की मृत्यु दिनांक 04/11/2023 को हो चुकी है। वसीयतकर्ती स्व. श्रीमती उर्मिला देवी पति भोलानाथ मंडल ने अपने जीवनकाल में उपरोक्त भूमि का वसीयतनामा / वसीयत प्राप्तकर्तागण दीपक कुमार चौरसिया पिता भोलानाथ मंडल 2. प्रदीप कुमार चौरसिया पिता भोलानाथ मंडल के नाम पर निष्पादित किया गया है। वसीयतनामा क्रमांक 250 दिनांक 23/09/2023 को निष्पादित किया गया है। वसीयतकर्ती स्व. श्रीमती उर्मिला देवी पति भोलानाथ मंडल के मृत्यु हो जाने से वसीयत प्राप्तकर्ता के नाम वसीतय नामांतरण किये जाने आवेदन न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 24/07/24 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 01/07/2025 को यह उ?द्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
दुर्ग

अब अपनी खुद की स्कूटी ले सकेंगी टॉपर होनिशा

मुख्यमंत्री साय ने सौंपे दो लाख रूपए के चेक

गरियाबंद। इस वर्ष दसवी बोर्ड परीक्षा में मेरिट सूची में अपना दर्ज कराकर जिले का नाम रोशन करने वाली होनहार छात्रा होनिशा साहू अब अपनी खुद की स्कूटी ले सकेंगी।साथ ही प्रशासनिक अधिकारी बनने के अपने सपने को भी पूरा कर सकेंगी।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज अपने निवास में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में होनिशा को दो लाख रूपये का चेक सौपा।मुख्यमंत्री ने श्रम विभाग की मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के तहत राज्य के अन्य 12 विद्यार्थियों को दो-दो लाख रुपए के चेक प्रदान किए और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद प्रदान किया। मुख्यमंत्री के हाथों सम्मानित होने और उन्हें राशि मिलने से होनिशा सहित सभी बच्चे उत्साहित हो गये। उन्हें मिले सम्मान और सहायता राशि से उनका आत्मविश्वास भी बढ़ गया।दसवीं की बोर्ड परीक्षा में दूसरा स्थान प्राप्त करने वाली होनिशा डिप्टी कलेक्टर बनना चाहती हैं। मुख्यमंत्री के हाथों मिले राशि से आगे की पढ़ाई जारी रखकर अपना सपना साकार कर सकेंगी। आज मुख्यमंत्री निवास में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नोनी-बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत 13 बच्चों को दो-दो लाख रूपए के चेक दिए गए। इसमें से एक लाख रूपए प्रोत्साहन के रूप में और एक लाख रूपए स्कूटी खरीदने के लिए दिए गए।

नाम परिवर्तन

मै शपथकर्ता रजतअविर पात्रा (**Rajataavir Patra**) पिता श्री अनिल कुमार पात्रा (**Anil Kumar Patra**), उम्र 20 वर्ष, निवासी ए/37 के सामने, वार्ड नं. 49, शिव मंदिर के पास, विद्युत नगर दुर्ग, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) 491001, मेरे नाम से आधार कार्ड, पेन कार्ड, मतदाता परिचय पत्र, पासपोर्ट, जन्म प्रमाण पत्र, शैक्षणिक अंकसूची, एवं अन्य दस्तावेज जारी हुआ है जिसमें मेरा नाम रजत पात्रा (**Rajat Patra**) पिता श्री अनिल पात्रा (**Anil Patra**) दर्ज है। मेरा सही एवं वास्तविक नाम रजतअविर पात्रा (**Rajataavir Patra**) पिता श्री अनिल कुमार पात्रा (**Anil Kumar Patra**) है जो कि सत्य एवं सही है। आगे अब मुझे रजतअविर पात्रा (**Rajataavir Patra**) पिता श्री अनिल कुमार पात्रा (**Anil Kumar Patra**) के नाम से जाना, पहचाना, व पुकारा जावे एवं आगे के सभी शासकीय/अर्ध्दशासकीय/वित्तीय संस्थान के दस्तावेज पर मेरा यही नाम दर्ज किया जावें। शासकीय गजट प्रकाशन में सही व वास्तविक नाम रजतअविर पात्रा (**Rajataavir Patra**) पिता श्री अनिल कुमार पात्रा (**Anil Kumar Patra**) दर्ज करवाने के समर्थन में यह शपथपत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

//न्यायालय तहसीलदार पाटन, जिला दुर्ग छ.ग.//

//ईश्तहार//

रा.प्र.क्र. 202406100900090 अ-6-अ/ वर्ष 2023-24

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम बोरिद पहन तहसील पाटन जिला दुर्ग के आम जनता को सुचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक संतोष पिता भागवत जाति ढीमर निवासी ग्राम बोरिद द्वारा ग्राम बोरिद प.ह.नं. 33 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित अपने एवं अन्य के नाम पर दर्ज शामिलात खाते की भूमि खसरा नंबर 222/5, 222/6, 242/2, रकबा 0.01 0.32, 0.50 हे. कुल खसरा नंबर 03 कुल रकबा 0. 83 हे. में जाति कुर्मी दर्ज होने से कुर्मी के स्थान पर जाति ढीमर दर्ज कर राजस्व अभिलेख में दुरुस्त किए जाने बाबत आवेदन आधार पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः आवेदक संतोष पिता भागवत जति दीगर निवासी ग्राम बोरिद तहसील पाटन द्वारा प्रस्तुत उपरोक्तानुसार राजस्व रिकार्ड दुरुस्त किए जाने कि कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 08.07.2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14.06.2024 को जारी किया जाता है।

मुहर

तहसीलदार पाटन
जिला दुर्ग (छ.ग.)

चरित्र शंका पर पत्नी की हत्या, पति गिरफ्तार

कोरबा। जिले के कारबी चौकी क्षेत्र में एक व्यक्ति ने चरित्र शंका के चलते अपनी पत्नी की फावड़े से मारकर हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। जिसे पुलिस ने जंगल से गिरफ्तार कर लिया।

कार्यालय नगर पालिक निगम दुर्ग (छ.ग.)

Emailid:-durgmc2019@gmail.com Phone:- 02/07/2024

--:: मैनुअल निविदा आमंत्रण सूचना ::--

क्रमांक /50/ लो.क.वि.अ./2024-25 दिनांक 02/07/2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से लोनिवि में प्रचलित भवन एस.ओ.आर. दिनांक 01.01.2015 एवं विद्युत एस.ओ.आर. दिनांक 01.06.2020 में निविदा दिनांक तक संशोधित दर पर कम / अधिक प्रतिशत दर पर तीन लिफाफा पद्धति के माध्यम से स्पीड पोस्ट / पंजीकृत डाक से निम्नांकित निर्माण कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा प्रपत्र क्रय हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	:- 08.07.2024
निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि	:- 14.07.2024
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	:- 22.07.2024
निविदा खोलने की तिथि	:- 23.07.2024 शाम 4.00 बजे

क्र.	कार्य का विवरण	निविदा का प्रकार
1.	वार्ड 48 पुलिस लाईन अंतर्गत विभिन्न आवश्यक रेनोवेशन, रोड निर्माण कार्य हेतु । (पार्षद निधि 2021-22 की बचत राशि से)	7.00
2.	वार्ड क्र. 53 मिनाक्षी नगर, दुर्ग में चंद्राकर सामाजिक भवन में संधारण कार्य बाबत। (महापौर निधि 2022-23)	5.00
3.	वार्ड क. 59 में जन प्रतिनिधियों को अतिरिक्त सुविधा गार्डन चेयर (आयरन कॉस्ट चेयर) लगाने हेतु (पार्षद निधि 2022-23 की बचत राशि से)	1.00
4.	वार्ड क्र. 54 पोटियाकला आबादी पारा व भाटापारा में छोटे उद्यान में चैन फैसिंग कार्य हेतु (पार्षद निधि 2023-24 की बचत राशि से)	2.95
5.	वार्ड क. 27 में पोलसाय पारा में पाटनकर कालोनी में वेद नारायण (बेदु) पटेल से हीरा देवामिन किराना स्टोर्स के घर तक रोड निर्माण कार्य (पार्षद निधि 2022-23 की बचत राशि से)	1.00
6.	वार्ड क्र. 52 शीतला नगर में सी.सी. सड़क निर्माण कार्य हेतु हेतु। (महापौर निधि 2024-25 की बचत राशि से)	7.00
7.	वार्ड क्र. 51 वृन्दानगर बोरसी में अनिता यादव के गली में सीमेंटकरण एवं शिवपारा परदेशी साहू के गली से गौठान के पास यादव किराना के बाजू का उन्नयन निर्माण कार्य (महापौर निधि 2024-25)	6.00
8.	वार्ड क. 26 में मोहन नगर थाना (पुलिस क्वॉटर) के पास स्थित गार्डन का उन्नयन कार्य हेतु । (पार्षद निधि 2021-22 की बचत राशि से)	4.00
9.	वार्ड क्र. 54 पोटियाकला, जिला-दुर्ग के सतनाम पारा में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य हेतु । (राज्यसभा सांसद 2024-25)	5.00
10.	वार्ड क्र. 48 में नया पुलिस लाईन, दुर्ग में श्री राजकुमार दुबे के घर से श्री एन.के. नेताम के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य हेतु (महापौर निधि 2024-25)	1.00
11.	वार्ड क्र. 28 पचरीपारा बांसपारा, दुर्ग में मंच के पास शेड निर्माण कार्य हेतु (पार्षद निधि 2021-22,2022-23 एवं 2023-24 की बचत राशि से)	5.00
12.	वार्ड क्र. 35 शिवपारा में सामुदायिक भवन का संधारण कार्य कराये जाने हेतु। (पार्षद निधि 2023-24 की बचत राशि से)	5.00
13.	वार्ड क्र. 52 मानस भवन के पीछे मुन्ना साहू से सुरेन्द्र साहू के घर तक सीमेंट सड़क एवं नाली निर्माण कार्य (पार्षद निधि 2020-21,2021-22 एवं 2023-24 की बचत राशि से)	6.55

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम, दुर्ग

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग, दुर्ग

// मैनुअल पद्धति निविदा सूचना//

ज्ञाप क्रमांक -5539/व.ले.लि./लेखा खण्ड/2024-25 दुर्ग, दिनांक 01/07/2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु प्रमुख अभियंता, लो.नि.वि. रायपुर द्वारा जारी भवन/सड़क SOR दिनांक 01.01.2015 तथा निविदा तिथि तक जारी संशोधन के अंतर्गत मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 15/07/2024 अपरान्ह 5 : 30 बजे तक
निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि :- 16/07/2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 22/07/2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 23/07/2024 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम No Of Calls	कार्य की अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	2	3
1 T0001	कलेक्ट्रेट बंगला में बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कार्य (अतिरिक्त कार्य) (प्रथम आमंत्रण)	14.15
1 T0002	शासकीय पोलीटेकनिक दुर्ग के कमरा नं. 04 एवं 07, कमरा नं. 95A एवं 95B, कमरा नं. 20, 21 एवं 95B में विशेष मरम्मत कार्य (प्रथम आमंत्रण)	7.50

☐ General Condition ☐ Plant Condition ☐ Special Condition

नोट :-
1. "It is mandatory for the "B", "C" & "D" Class bidders, to submit (Annexure 3, Annexure-"2".
2. It is Mandatroy for the "A" Class bidder, to Submit affidavit (Annexure 3, Appendix 1, Annexure 1,2.
3. **अन्य निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट** www.cg.nic.in/pwdraipur **में** Live Tender **के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। एवं अन्य निविदा संबंधी शर्तों का अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।**

कार्यपालन अभियंता,
लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग दुर्ग

जी - 242500787/1

संक्षिप्त-खबर

नव प्रवेशी बच्चों को तिलक लगाकर मिठाई खिलाकर कानाकोट में संकुल स्तरीय प्रवेश उत्सव मना

सेलृद (समय दर्शन)। संकुल केंद्र कानाकोट में नवीन सत्र 2024-25 के नव प्रवेशी विद्यार्थियों के स्वागत हेतु संकुल स्तरीय प्रवेशोत्सव का आयोजन किया गया .इस कार्यक्रम में संकुल प्रभारी प्राचार्य श्री एन आर साहू , संकुल समन्वयक श्री भगवानी राम साहू , मुख्य अतिथि के रूप में पाटन जनपद सदस्य खिलेश यादव शाला विकास समिति गाडाडीह अध्यक्ष अशोक कुमार मढरिया कानाकोट से आनंद चंदन अतिथि के रुप मे उपस्थित थे । पाटन जनपद सदस्य खिलेश यादव ने विद्यार्थियों से अपने बचपन को याद करते हुए स्कूल के प्रवेश के अनुभव को छत्तीसगढ़ी में साझा किए। मोमबत्ती और अगरबत्ती की कहानी के माध्यम से बच्चों को अगरबत्ती की तरह समाज में खुशबू फैलाने को कहा। संकुल प्रभारी प्राचार्य श्री एन आर साहू ने नियमित उपस्थिति और नियमित अध्ययन का आह्वान किया, संकुल समन्वयक भगवानी राम साहू ने अपने सपनों को सच करने शाला नियमित आने हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित किया। प्राथमिक सभा को संबोधित करते हुए आंनद चंदन ने अपने बचपन व पढाई के दिनो को याद करते हुए बाते बतलाई बच्चों को अच्छा पढाई के लिए मोटीवेट भी किया ।सभी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर एवं मिठाई खिलाकर निशुल्क पाठ्य-पुस्तक एवं गणवेश का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से दानीराम साहू बंछोर सर बलराम वर्मा अनिल बनपेला सरिता वर्मा इंदु सिंह, लता वर्मा, देवाँगन मैडम व कार्यक्रम का संचालन बंजारे सर (व्याख्याता) एवं आभार प्रदर्शन भगवानी राम साहू ने किया।

पदुमतरा में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। ब्लॉक के पदुमतरा में वृहद वृक्षारोपण किया गया। श्री राम मंदिर परिसर, धान खरीदी केंद्र एवं अन्य स्थान पर वृक्षारोपण किया गया। श्री राम मंदिर में वृक्षारोपण करते हुए जनपद सभापति ओमप्रकाश साहू ने कहा कि आज प्रत्येक व्यक्ति को कम से 2 पेड़ लगानें से लेकर उनकी संपूर्ण जवाबदेही लेनी चाहिए, तभी हमें आगे पर्यावरण को संतुलन करने में मदद होगी। श्री राम मंदिर में वृक्षारोपण के दौरान सरपंच प्रतिनिधि मोहन साहू, राकेश साहू, सेवक गंधर्व, नागेश साहू, पुण्यात्मा साहू, राकेश गौतम, उत्तम साहू, हरिकिशन सेन सहित अन्य शामिल हुए।

विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, हिंदू समाज, संगठनों ने फूंका राहुल गांधी का पुतला

राजनांदगांव। लोकसभा में विपक्षी नेता प्रतिपक्ष की भूमिका द्वारा चुने गए राहुल गांधी द्वारा सभा में हिंदू समाज को हिंसक सत्य कहते हुए अनर्गल भाषण पर आपत्ति जताते हुए शहर के महावीर चौक से मानव मंदिर चौक तक राहुल गांधी की शव यात्रा निकली गई तथा अत्यंत आक्रोश के साथ पुतला दहन किया गया। संगठन ने कहा कि राहुल गांधी आज जिस पद पर आसीन है, वहां अटल बिहारी बाजपेई जैसे महान व्यक्तित्व शोभित थे। भारत के हिंदू समाज ने गांधी परिवार को सांसद विधायक से लेकर प्रधानमंत्री तक बनाया, पर इनके तेवर हमेशा हिंदूओं को लेकर अभद्र रहे है। सांसद राहुल गांधी का हिंदूओं को लेकर शुरूआत से यही रवैय्या रहा है, इनके बयानों में हिंदू मंदिर को लड़की छोड़ने की जगह और हिंदू लोग मंदिर चप्पल चुराने जाते है, इसे भाषण दिए जाते है। कभी ये जातियों में हिंदूओं को बांटने का प्रयास करते है, तो कभी एक तरफ राजनीति कर अल्पसंख्यकों से रिश्ते मजबूत करते है। आज इसी का फल है कि इतनी बड़ी पार्टी होकर भी एक सीमित आंकड़े में सिमट कर रह गई है और छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्यप्रदेश सहित अनेक राज्यों को खो चुके है, यदि यह अपमानजनक कार्य जारी रहा तो आगे भी कांग्रेस इसका दंड हिंदू समाज से भुगतेगी और राहुल गांधी से सार्वजनिक माफी के साथ-साथ लोकसभा अध्यक्ष से राहुल गांधी की सदस्यता समाप्त करने की मांग की। उक्त स्थान पर विहिप, बजरंग दल सहित अनुसंसगिक संगठन और बड़ी संख्या में हिंदू समाज, समाज प्रतिनिधि उपस्थित रहे। उक्त जानकारी बजरंग दल जिला संयोजक सुनील सेन ने दी।

मैखिक शिकायत का त्वरित निराकरण,शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा निगम ने किया धराशायी

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 15 एफ्सीआई गोदाम के बाजू वाली रोड में अतिक्रमण किया जा रहा है सिद्धिविनायक स्टील के सामने शासकीय जमीन पर अवैध कब्ज़ा होने की मैखिक शिकायत आयुक्त लोकेश चन्द्राकर से हुई थी।भवन शाखा के अधिकारियों ने आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर बुधवार को तत्काल कार्रवाई कर लगाए गए सारे अवैध निर्माण बाउंड्रीवाल को उखाड़ फेंका है।अवैध कब्जा कर लिया था।बता दे कि नगर निगम शासकीय सुरक्षित सड़क कब्ज़ा होने से बचाने की मांग आयुक्त से की थी। इस मामले में उन्होंने तत्काल संज्ञान लिया और भवन अधिकारी गिरीश दीवान को निर्देश देते हुए आज उक्त स्थल पर कार्रवाई के निर्देश दिए। में नाली सड़क के किनारे कब्जाकर दुकान की तैयारी की जा रही थी,निगम अतिक्रमण अमला ने कब्जा निर्माण बाउंड्रीवाल को उखाड़ फेंका है। एक्शन में नगर निगम,शहर में अतिक्रमण एवं अवैध प्लाटिंग के खिलाफ कार्रवाई

शुरू की गई है। शहर व्यवस्था को सुधारने और अतिक्रमण को हटाने के लिए मुहिम शुरू की गई है.निगम प्रशासन की टीम ने फील्ड पर जाकर अतिक्रमित क्षेत्रों में कार्रवाई की है और आवश्यक कार्रवाई कर रही है.नगर निगम के अधिकारियों द्वारा सड़कों पर अवैध ठेले दुकानदारों को समझाया गया.और इसे हटाने के लिए इसके साथ ही समझाइश भी दी गई है कि आयुक्त के निर्देशानुसार अतिक्रमण नहीं हटाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी.नगर निगम की टीम द्वारा सड़कों, नालियों या घरों के बाहर कचरा फेंकने वालों पर भी कार्रवाई की जा रही है.आयुक्त के द्वारा निरीक्षण कर कचरा डस्टबिन में ना डालकर बाहर सड़कों पर फेंकने वाले दुकानदारों पर अर्थदण्ड लगाया गया. इस दौरान लोगों से शहर को साफ सुथरा रखने की अपील भी की गई और कूड़ा-कचरे तथा अपशिष्ट पदार्थों को निर्धारित स्थान पर डालने एवं सफ़ाई मित्रों को देने कहा गया.आयुक्त लोकेश चन्द्राकर द्वारा लगातार स्वयं शहर के दौरे पर निकलकर व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए है.निगम टीम को एक्शन लेने के निर्देश दिए थे. निर्देशों के पालन में टीम द्वारा आज शहर में आवश्यक कार्रवाई की गई और इस व्यवस्था को बनाए रखने लोगों को हिदायत भी गई।

बसना तहसील एवं अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय का रोड जर्जर, अतिक्रमण का शिकार बसना के शासकीय भूमि

बसना(समय दर्शन)। बसना के मुख्य मार्ग से तहसील एवं अनुविभागीय अधिकारी, रजिस्ट्री आफीस ,आदिवासी सांस्कृतिक भवन को जोड़ने वाली सड़क की हालत काफी जर्जर है। इस मार्ग से होकर आये दिन बड़े नेता एवं सभी आला अफ्सरों का सतत आना जाना है।

ये अलग बात है कि, ए.सी.और लक्जरी गाड़ियों मे आने जाने के दौरान मुख्य मार्ग से महज 100-200मीटर लम्बी दूरी की इस सडक मे चलने से बडे नेता और अधिकारिओं को फर्क न पड़ता हो,,पर पैदल और मोटर साइकिल मे चलने वालों के लिए जगह -जगह बने गड्ढे मे भरे पानीऔर उबड़-खाबड़ सड़क से लोग परेशान हैं । यहां तहसील कार्यालय से लगा लोक सेवा केन्द्र, नोटरी ,रजिस्ट्री आफीस के साथ रिहायशी मुहल्ले एवं आदिवासी मूलनिवासी समाज का सांस्कृतिक भवन,चौहान सेना का कार्यालय के साथ निस्तारी तालाब भी है। यह एरिया बसना व अरेकेल दोनो के शरहद मे आता है,,तहसीत कार्यालय मार्ग मे शारदा रेस्टोरेंट के पास तो सडक ज्यादा ही जर्जर है चुका है । अरूकेल के नये पुराने सरपंचो के साथ कई लोगों की शिकायत है कि, निस्तारी तालाब क्रमश:अतिक्रमण का शिकार हो रहा है जिसके चलते तालाब का रकबा कम होते जा रहा है। उसी तरह बाहरी लोग आकर

पंचायत व शासन से बिना अनापत्ती लिए शासकीय जमीन पर बेधड़क बेजा कब्जा करते शासन को आंख दिखा रहे हैं ।शासन प्रशासन मे बैठे जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी और नेता क्या कर रहे हैं समझ से परे है। इसी उदासीनता के चलते बसना व आस पास के शासकीय भूमि अतिक्रमण का शिकार हो चुका है ।सभी तरफ अतिक्रमण के चलते अफरा तफरी का माहौल है । बीते कुछ साल पहले बसना के कोटवार द्वारा कोटवारी मे मिले शासकीय भूमि को भी बेच खाया है ।

बसना का निस्तारी तालाब भी धीरे धीरे नक्सा से गायब होते जा रहा है। लोग मूलभूत सुविधाओं के लिए आज भी जद्दोजेहद में लगा है। लोगों को सडक ,बिजली, पानी के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है । कई अमीरों के द्वारा काटे गये आवासीय प्लाट मे बस्ती बसने से पहले पंचायत द्वारा रोड निर्माण करा दिया जाता है,,और जरूरत के जगहों मे लोगों को सुविधाओं के लिए तरसना पडता है , यह आम बात हो गयी है । आखिर शासन प्रशासन मे बैठे लोग व अधिकारीगण , सर्व जन हिताय व सर्व जन सुखाय की बात पर चुप्पी क्यों साध लेते हैं । सुशासन की बात करने वाली सरकार के महत्वाकांक्षी योजनाओ का क्रियान्वयन यहाँ क्यों नहीं हो पा रहा है ।

बंसुला स्कूल में वैदिक विधि से मनाया गया प्रवेश उत्सव

बसना (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक शाला एवं पूर्व माध्यमिक शाला बंसुला में संयुक्त रूप से प्रवेश उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ के संयोजक एवम् सेवा निवृत्त प्रधान पाठक देवचंद नायक एवं परिब्राजक यादव उपस्थित थे। सर्वप्रथम अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती एवं गायत्री माता की पूजन कर वैदिक विधि से मंत्रोपचार के साथ बच्चों का प्रवेश उत्सव मनाया गया । इसके पश्चात अतिथियों के द्वारा नव प्रवेशी बच्चों का तिलक एवं कलावा बांधकर स्वागत किया गया और गणवेश एवं पुस्तक वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान कक्षा पहली एवं कक्षा छठवीं के बच्चे उपस्थित थे।इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि जन्मजय साव, शौकीलाल बारिक, संकूल समन्वयक गोवर्धन डडसेना,समिति के पदाधिकारी, तथा अनेक पालक गण उपस्थित थे। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रधान पाठक दिनेश डडसेना, प्रधान पाठक प्रवीर कुमार बेहेरा, राजेश भोई, राजेश साव, सुजाता प्रधान, अनिता साहू, सीता साहू,,पुष्पांजली, चमेली सागर का विषेष योगदान रहा।

संकुल केन्द्र रसोड़ा मे पढ़ाई तिहार अंतर्गत अंगना म शिक्षा कार्यक्रम

बसना(समय दर्शन)। संकुल केंद्र रसोड़ा के संकुल प्राचार्य आनंद कुमार दास एवं संकुल समन्वयक संतराम बंजारा के कुशल मार्गदर्शन में शासकीय प्राथमिक शाला दुरुगपाली में पढ़ाई तिहार अंतर्गत अंगना मा शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तौसीफ कुमार प्रधान सरपंच ग्राम पंचायत दुरुगपाली थे, साथ ही बहुत बड़ी संख्या में ग्राम के माताओ ने कार्यक्रम में सम्मिलित थी । इस कार्यक्रम में पहली और दूसरी कक्षा के बच्चों के माताओ ने कार्यक्रम में भाग लिया।उपस्थित माताओ ने नौ काउंटरों में पहली और दूसरी की छात्र छात्रों का अवलोकन किया, सभी छात्र-छात्राओ ने नौ काउंटरों में गतिविधियाँ करते आगे बढ़ते गए माताएं अपने बच्चों के द्वारा शिक्षा पर गतिविधियाँ करते देख प्रफुल्लित हो रही थी। स्कूल द्वारा शिक्षा पर समय समय मे कराये गए शिक्षा संस्कार पर टीचर्स गणो की भी प्रशंशा कर रहीं थी। अंगना मां शिक्षा प्रभारी शिक्षिका श्रीमती अरुंधति भोई ने माताओं को घर में शिक्षा देने की बात कही , इस पर माताओ ने जागरूकता का परिचय देते सभी ने घर पर कार्य करते प्राथमिक शिक्षा की जानकारी अपने भाषा मे देने की बात कही द्यकार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन प्रधान पाठक जौशिक कुमार सामल ने किया।

कलेक्ट्रेट चौक के पास शुरू होगा नालंदा परिसर का अस्थाई भवन

- इसी सत्र से पढ़ाई शुरू करने विधायक, महापौर एवं कलेक्टर ने किया निरिक्षण

दुर्ग (समय दर्शन)। शहर विधायक गजेंद्र यादव के पहल से जल्द ही नालंदा परिसर की शुरुआत होने वाली है। जब तक नया भवन तैयार होगा कलेक्ट्रेट चौक के पास अस्थाई भवन में इसी सत्र पढ़ाई शुरू करने विधायक, महापौर धीरज बाकलीवाल और कलेक्टर सुश्री ऋचाप्रकाश चौधरी ने स्थल चयनित कर निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर को तैयारी करने निर्देश दिए।

प्रदेश के विष्णुदेव साय सरकार ने विधानसभा चुनाव के बाद पहली बजट में ही दुर्ग में नालंदा परिसर बनाने की घोषणा किये थे ताकि शिक्षा के क्षेत्र में दुर्ग को और विकसित किया जा सके। मुख्यमंत्री के घोषणा को अमल कराने शहर विधायक प्रशासनिक अधिकारियो के साथ लगातार बैठक लेकर शीघ्र ही परिसर में पढ़ाई कराने जुटे हुए है। उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा के लिए आवासीय विद्यालय की मांग यहां के विद्यार्थियों द्वारा की जा रही थी। विधायक गजेंद्र यादव चुनाव जितने के बाद जब जनता के बीच भेंट मुलाकात करने पहुँचे तो पालको द्वारा बताया गया की उच्च शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए यहां के

विद्यार्थियों को बाहर जाना पड़ता है। बच्चों के भीतर हुनर और प्रतिभा होते हुए भी आर्थिक रूप से कमजोर पालक अपने बच्चों को बाहर पढ़ने नहीं भेज पाते है। राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के सभी परीक्षाओं में दुर्ग भिलाई के बच्चे हमेशा प्रवीणय सूची में अपना स्थान बनाते है, जिसे देखते हुए विधायक श्री यादव ने विस्तृत रिपोर्ट तैयार कराकर नई सरकार के पहले बजट में ही सहमति दिलाकर राशि स्वीकृत करवाए है ताकि तकनीकी एवं उच्च शिक्षा के लिए कोचिंग तथा परीक्षा की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए नालंदा परिसर मिल का पत्थर साबित होगा।

500सीटर होगा आवासीय बिल्डिंग - जिले में शिक्षा के स्तर को और आगे बढ़ाने के उद्देश्य से सरकार द्वारा स्वीकृत नालंदा परिसर की बिल्डिंग 500 सीटर का होगा जहाँ विद्यार्थियों को रहने की सुविधा भी मिलेगी। विधायक, महापौर, कलेक्टर, निगम आयुक्त एवं राजस्व विभाग की टीम के साथ संयुक्त निरिक्षण कर पुलगांव में स्थल चयन किये है। चुंकि पढ़ाई इसी सत्र से शुरू करना है ऐसे में नया भवन बनने तक कलेक्ट्रेट चौक के पास भूमि विकास बैंक के खाली भवन में अस्थाई परिसर संचालित किया जाएगा ताकि विद्यार्थी तकनीकी शिक्षण हेतु आईआईटी, जेई, नीट तथा बेरोजगार युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सके।

बसना महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर एक दिवसीय कार्यशाला

बसना(समय दर्शन)। स्व.जयदेव सतपथी शासकीय महाविद्यालय बसना मे जुलाई 2024 के पहले सप्ताह में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (ह्रश्वक्क) -2020 पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें स्त्रोत वक्ता (मास्टर ट्रेनर) के रूप में जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर बृजलाल पटेल ने ह्रश्वक्क 2020 के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की । महाविद्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीयों द्वारा इस एक एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के लिए पहले पंजीयन (रजिस्ट्रेशन) कराया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस. के. साव तथा मास्टर ट्रेनर बृजलाल पटेल द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस. के.साव द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 से संबंधित प्रमुख बिंदुओ पर जानकारी प्रदान की । जिसमें उन्होंने बताया कि - राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 भारत के शैक्षिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन का प्रतीक है। 21वीं सदी की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन की गई, ह्र.श्व.क्कका उद्देश्य शिक्षा को अधिक समग्र, लचीला, बहु-विषयक और छात्रों और समुदाय की ज़रूरतों के अनुरूप बनाना है । राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मुख्य उद्देश्य एक ऐसी शिक्षा प्रणाली की कल्पना करना है जो सभी को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करके भारत को एक समतापूर्ण और जीवंत ज्ञान, समाज

में बदलने में सीधे योगदान दे, और इस प्रकार भारत को वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाए।

मास्टर ट्रेनर बृज लाल पटेल ने एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के पहले सत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन के लिए पाठ्यचर्या की रूपरेखा पर विस्तार पूर्वक समझाते हुए बताये कि- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 कला और विज्ञान, पाठ्यक्रम और पाठ्येतर गतिविधियों तथा व्यावसायिक और शैक्षणिक कार्यक्रमों के बीच औपचारिक भेद को समाप्त करता है। छात्र विभिन्न विषयों में से चुन सकते हैं। स्नातक की डिग्री तीन या चार साल की होगी और इसमें कई विकल्प होंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 मुख्य उद्देश्य भारत में प्रदान की जाने वाली शिक्षा को वैश्विक स्तर पर लाना है। जिससे कि भारत एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बन सके।नई शिक्षा नीति में सभी बाधाओं को दूर करने और उच्च शिक्षा में छात्रों की भागीदारी बढ़ाने के लिए ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा पर बहुत अधिक ध्यान दिया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न पहलुओं को विस्तार पूर्वक बताए। अधिकारी एवं कर्मचारी गण ने मास्टर ट्रेनर से सवाल किए जिनका मास्टर ट्रेनर बृजलाल पटेल ने संतुष्टीकरण पूर्ण जवाब दिया। एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के दूसरे सत्र में भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनछुए पहलुओं को भी विस्तार पूर्वक बताया तथा अधिकारी एवं कर्मचारी गण द्वारा विभिन्न प्रश्नों को पूछा गया जिनका जवाब मास्टर ट्रेनर ने अपने अनुभव के आधार पर संतुष्टि पूर्ण एवं विस्तार पूर्वक बताया।

इस एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में महाविद्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित थे ।इस कार्यक्रम का संचालन बसना महाविद्यालय के समन्वयक ह्रश्वक्क प्रकोष्ठ एन.के. प्रधान ने किया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26